website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
# रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 28 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार 08 जनवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

## अमेरिका से डिपोर्ट होकर भारत पहुँचा गैंगस्टर अमन भैंसवाल, STF ने एयरपोर्ट पर दबोचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स (STF) ने इंटरपोल और गृह मंत्रालय के सहयोग से सोनीपत के कुख्यात गैंगस्टर अमन भैंसवाल को अमेरिका से डिपोर्ट कर भारत लाने में कामयाबी हासिल की। दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरते ही एसटीएफ टीम ने उसे हिरासत में ले लिया। अमन हिमांशु भाऊ गैंग का शार्प शूटर माना जाता है और उस पर हत्या, रंगदारी समेत 10 से ज्यादा संगीन मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक अमन ने मयूर विहार के फर्जी पते पर 'अमन कुमार/अमन कुमार' के नाम से नकली पासपोर्ट बनवाया और साल 2025 में चकमा देकर अमेरिका फरार हो गया था। STF ने गोहाना सदर थाने में जालसाज़ी का केस दर्ज कर जानकारी इंटरपोल से साझा की थी, जिसके बाद उसकी लोकेशन ट्रेस हुई। अमन का नाम रोहतक के सांपला में सीताराम हलवाई की दुकान पर हुई ताबड़तोड़ फायरिंग और एक करोड़ की रंगदारी मांगने के मामले में सामने आया था। गोहाना के मातूराम हलवाई कांड में भी उसकी संलिप्तता के सबूत मिले हैं। अधिकारियों ने बताया कि उसे कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा ताकि गैंग के पूरे नेटवर्क और विदेशों में बैठे आकाओं का राज़ खुल सके। STF अब तक विदेश भागे 8 से ज्यादा गैंगस्टरों को वापस ला चुकी है, जिससे संगठित जुर्म पर शिकंजा और मजबूत हुआ है।

## देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन बनकर तैयार, अंतिम तकनीकी परीक्षण शुरू

नई दिल्ली । भारत की रेल तरक्की में नया बाब दर्ज हो गया है। देश की पहली हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन पूरी तरह तैयार हो चुकी है और इसे पटरी पर उतारने से पहले अंतिम मानक परीक्षण शुरू कर दिए गए हैं। लखनऊ स्थित रेलवे के अभिकल्प, विकास एवं मानक संगठन (RDSO) की विशेषज्ञ तकनीकी टीम ट्रेन संचालन के हर पहलू को बारीकी से परख रही है। टेस्टिंग के दौरान टीम का सबसे ज्यादा फोकस पावर कार, सुरक्षा और नियंत्रण उपकरणों पर रहा। स्पीड सेंसर, कंट्रोल सिस्टम और ब्रेक मैकेनिज्म को अलग–अलग गति स्तर पर जाँचा गया ताकि ट्रेन तय मानकों के अनुसार महफूज़ ढंग से चल सके। उपकरणों की कार्यक्षमता रिकॉर्ड करने के लिए ट्रेन को धीमी और मध्यम रफ़्तार पर चलाया गया। साथ ही पायदानों की मजबूती, ऊँचाई और कोच संरचना की भी जांच की गई। उत्तर रेलवे के अधिकारियों के मुताबिक यह ट्रेन हरियाणा के जींद से सोनीपत के बीच चलाई जानी है, जिसकी तैयारियाँ मुकम्मल हो चुकी हैं। ईंधन आपूर्ति के लिए जींद में स्थापित हाइड्रोजन प्लांट की कमीशनिंग अंतिम चरण में है और उसके लिए स्थिर 11 केवी बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने बिजली वितरण निगम के साथ बैठक कर निर्देश दिए कि इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में कोई रुकावट न आए और आपूर्ति प्रणाली की नियमित समीक्षा की जाए। परियोजना के तहत जींद में 3000 किलोग्राम भंडारण क्षमता वाला देश का सबसे बड़ा हाइड्रोजन प्लांट लगाया गया है, जो 24 घंटे आधार पर संचालित होगा। हाइड्रोजन ट्रेन पर्यावरण–अनुकूल परिवहन की दिशा में रेलवे का बड़ा क़दम साबित होगी।

## जोधपुर में जैकेट उड़ा कर तुरंत पहन ली, वारदात CCTV में कैद

जोधपुर। सूर्यनगरी जोधपुर में हाड़ कंपाने वाली ठंड के बीच चोरी का एक अजीब मामला सामने आया है, जहाँ चोरों ने कीमती सामान को नहीं बल्कि ठंड से बचने के लिए जैकेट को ही उड़ा लिया। यह अनोखी वारदात शहर के एक व्यस्त होटल के बाहर हुई, जिसकी पूरी घटना CCTV कैमरे में कैद हो गई। जानकारी के मुताबिक दो युवक मोटरसाइकिल बाहर खड़ी कर खाना खाने होटल के अंदर गए थे। उन्होंने अपनी जैकेट बैग में रखकर बाइक पर टांग दी थी। इसी दौरान दो शातिर बदमाश वहां पहुँचे और बैग से जैकेट निकाल ली। फुटेज में साफ दिखाई देता है कि बदमाशों ने जैकेट चुराने के बाद उसे छिपाने के बजाय तुरंत पहन लिया और आराम से मौके से फरार हो गए। खाना खाकर लौटे युवकों को जब जैकेट गायब मिली तो उन्होंने होटल प्रबंधन की मदद से CCTV खंगाला, तब चोरी का तरीका सामने आया। पीड़ितों ने नजदीकी थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस अब फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश में जुटी है। जोधपुर पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वाहन पर कपड़े, हेलमेट या अन्य सामान लावारिस न छोड़ें। यह वीडियो सोशल मीडिया पर "मजबूरी वाली चोरी" के नाम से वायरल हो गया है। नेटिजन्स ठंड के मारे चोरों की कारस्तानी बताकर मजाकिया कमेंट कर रहे हैं, लेकिन पुलिस ने इसे गंभीर अपराध मानते हुए सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

# 'मुझसे पीएम मोदी खुश नहीं...', ट्रंप को हो गया गलती का अहसास! भारत संग रिश्तों पर क्या बोले?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने रिश्तों पर खुलकर बात की है। ट्रंप ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच निजी स्तर पर संबंध बहुत अच्छे हैं, लेकिन रूसी तेल की खरीद को लेकर भारत पर लगाए गए भारी टैरिफ से पीएम मोदी खुश नहीं हैं। उनके बयान से यह संकेत मिला कि उन्हें यह अहसास है कि ज्यादा शुल्क लगाने से भारत-अमेरिका के रिश्तों में बेवजह तल्खी आ गई है।

**ट्रंप ने पीएम मोदी से हुई बातचीत का जिक्र**

हाउस जीओपी मेंबर रिट्रीट के दौरान ट्रंप ने पीएम मोदी से हुई बातचीत का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका और भारत के रिश्ते अब भी दोस्ताना हैं, मगर टैरिफ का मुद्दा दोनों देशों के बीच तनाव पैदा कर रहा है। ट्रंप ने रक्षा सौदों और व्यापार नीति को लेकर मोदी से हुई चर्चाओं की भी बात की और माना कि इन विषयों पर अभी मतभेद बने हुए हैं।

**ट्रंप ने कही ये बात**

ट्रंप ने कहा, "मेरे और प्रधानमंत्री मोदी के बीच बहुत अच्छा रिश्ता है, लेकिन वह मुझसे खुश नहीं हैं, क्योंकि भारत को ज्यादा टैरिफ देना पड़ रहा है। हालांकि अब उन्होंने रूस से तेल खरीद को काफी हद तक कम कर दिया है।" अमेरिका ने भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लगाए हैं, जिनमें 25 फीसदी टैरिफ रूस से तेल खरीदने के कारण जोड़े गए हैं। वॉशिंगटन का मानना है कि सस्ता रूसी तेल खरीदकर भारत अप्रत्यक्ष रूप से रूस की

अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहा है, जबकि रूस-यूक्रेन युद्ध जारी है। ट्रंप ने एक दिन पहले ही चेतावनी दी थी कि अगर भारत अमेरिकी चिंताओं को दूर नहीं करता तो भारतीय सामानों पर शुल्क और बढ़ाया जा सकता है।

**'मोदी जानते थे कि मैं खुश नहीं हूं'**

अपने भाषण में ट्रंप ने कहा, "मोदी जानते थे कि मैं खुश नहीं हूं। वह मुझे खुश करना चाहते थे। मोदी बहुत अच्छे इंसान हैं।" उन्होंने टैरिफ नीति का बचाव करते हुए दावा किया कि इससे अमेरिका को आर्थिक फायदा हो रहा है और शुल्क का इस्तेमाल वह अमेरिकी हितों की रक्षा के लिए कर रहे हैं। लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी माना कि इस नीति से साझेदार देशों में नाराजगी बढ़ी है।

**भारत पर लगातार दबाव बना रहे हैं ट्रंप**

हाल के दिनों में ट्रंप लगातार भारत पर रूस से तेल खरीद को लेकर दबाव बना रहे हैं। उनका आरोप है कि सस्ता रूसी तेल खरीदकर भारत रूस को आर्थिक मदद दे रहा है, इसी वजह से भारतीय उत्पादों पर ज्यादा शुल्क लगाया गया है। अमेरिकी प्रशासन चाहता है कि भारत ऊर्जा जरूरतों के लिए वैकल्पिक स्रोत अपनाए और रूसी आयात को और घटाए।

**भारत ने खारिज किया था ट्रंप का दावा**

हालांकि भारत पहले ही ट्रंप के उस दावे को खारिज कर चुका है जिसमें उन्होंने कहा था कि पीएम मोदी ने रूस से तेल खरीद बंद करने का भरोसा दिया है। भारत ने साफ किया कि ऐसी कोई बातचीत या वादा नहीं हुआ है। इस बीच ट्रंप खुद को रूस-यूक्रेन युद्ध में मध्यस्थ के रूप में पेश कर रहे हैं। उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से बात की है, मगर अब तक किसी ठोस नतीजे की घोषणा नहीं हुई है। नई दिल्ली का कहना है कि भारत अपनी संप्रभु ऊर्जा नीति पर कायम रहेगा और अमेरिका से परिपक्व कूटनीति के जरिए ही समाधान निकाला जाएगा।

## बांग्लादेश में हिंदुओं पर हिंसा को लेकर रॉबर्ट वाड्रा की कड़ी नाराज़गी

बांग्लादेश। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे लगातार हमलों ने भारत में भी चिंता बढ़ा दी है। इसी मुद्दे पर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा ने सख्त प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों की वह कड़े अल्फाज़ में निंदा करते हैं और किसी भी हाल में मजहबी अल्पसंख्यकों की बलि नहीं दी जा सकती। वाड्रा के मुताबिक किसी देश की राजनीतिक अस्थिरता, प्रशासन की कमजोरी या वैचारिक बदलाव किसी खास समुदाय पर हिंसा को जायज़ नहीं ठहरा सकते। उन्होंने जोर देकर कहा कि इंसानी हुकूक और जान–माल की हिफाज़त हर सरकार की पहली जिम्मेदारी होती है।

**आंतरिक अव्यवस्था का नुकसान अस्वीकार्य**

वाड्रा ने अपने बयान में कहा कि यह पूरी तरह नामंज़ूर है कि किसी दूसरे देश की आंतरिक अव्यवस्था का खामियाज़ा हिंदुओं या भारतीय मूल के लोगों को भुगतना पड़े। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को राजनीतिक अराजकता की भेंट चढ़ाना लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। मानवाधिकार किसी भी सरहद के मोहताज नहीं होते, इसलिए बांग्लादेश सरकार को हालात संभालने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। उनका मानना है कि अंतरराष्ट्रीय बिरादरी को भी

इस मामले में आवाज़ बुलंद करनी चाहिए ताकि डर के माहौल में जी रहे लोगों को इंसाफ मिल सके।

लगातार सामने आ रहीं हिंसक घटनाएं

पिछले तीन हफ्तों से बांग्लादेश के अलग–अलग इलाकों से हिंदू समुदाय पर हमलों की खबरें आ रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस अवधि में कम से कम पाँच लोगों की मौत हो चुकी है। कई मंदिरों, घरों और दुकानों को निशाना बनाने की बातें भी कही जा रही हैं। इन घटनाओं ने वहां रह रहे हिंदुओं में गहरी दहशत पैदा कर दी है। भारत में सामाजिक संगठनों और सियासी नेताओं ने भी इन हालात पर फिक्र जताई है। रॉबर्ट वाड्रा का बयान इसी सिलसिले की एक अहम कड़ी माना जा रहा है।

**जेस्सोर में हिंदू पत्रकार की हत्या**

सोमवार शाम को जेस्सोर जिले के मोनिरामपुर इलाके में राणा प्रताप बैरागी नाम के हिंदू व्यक्ति की कथित तौर पर सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई। बैरागी एक स्थानीय अखबार के कार्यवाहक संपादक बताए जा रहे थे, इसलिए इस वारदात ने खास तवज्जो खींची। सोशल मीडिया पर इसे मजहबी नफरत से जोड़कर देखा जा रहा है, जबकि पुलिस का कहना है कि मृतक के खिलाफ हत्या, बलात्कार और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत तीन पुराने मुकदमे दर्ज थे। यह घटना मोनिरामपुर उपजिले के एक बाजार में हुई, जहाँ हमलावर ने उन्हें नज़दीक से गोली मारी।

**जांच जारी, असली वजह धुंधली**

राणा प्रताप बैरागी की हत्या को लेकर अभी तस्वीर साफ नहीं है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की तफ्तीश जारी है और सभी पहलुओं पर गौर किया जा रहा है—चाहे वह निजी दुश्मनी हो, आपराधिक पृष्ठभूमि या अल्पसंख्यकों के खिलाफ चल रहा तनाव। रॉबर्ट वाड्रा ने मांग की है कि सच्चाई जल्द सामने लाई जाए और दोषियों को कड़ी सज़ा दी जाए। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में रहने वाले हिंदू भी उसी समाज का हिस्सा हैं और उन्हें भी उतना ही हक है कि वे अमन और इज़्ज़त के साथ जी सकें। इस पूरे मामले ने 'पार्टी विद डिफरेंस' और क्षेत्रीय राजनीति से ऊपर उठकर अल्पसंख्यक सुरक्षा की बहस को एक बार फिर गर्म कर दिया है।

## महाराष्ट्र निकाय चुनाव में जीत के लिए कुछ भी करेगी BJP! कांग्रेस के बाद अब AIMIM से मिलाया हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। खुद को 'पार्टी विद डिफरेंस' बताने वाली भारतीय जनता पार्टी फिर अपने फैसलों को लेकर निशाने पर है। अंबरनाथ नगर पालिका में कांग्रेस के साथ जाने पर आलोचना झेल चुकी BJP ने अब अकोला के अकोट नगर पालिका में AIMIM से गठबंधन कर नया सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। विरोधी दल इस कदम को खुला अवसरवाद और विचारधारा से समझौता बता रहे हैं। अकोला जिले की पैंतीस सदस्यीय अकोट नगर पालिका में तैंतीस सीटों के नतीजे आ चुके हैं, दो सीटों पर चुनाव बाकी है। BJP 11 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी, मगर स्पष्ट बहुमत से दूर रह गई। सरकार बनाने के लिए उसे सहयोगियों की जरूरत पड़ी, जिसके बाद उसके नेतृत्व में 'अकोट विकास मंच' का गठन किया गया। इस मंच में MIM भी शामिल हुई, जिसने 5 सीटें जीती थीं। नए गठबंधन में BJP और MIM के अलावा शिंदे व ठाकरे गुट की शिवसेना, अजित व शरद पवार की NCP, प्रहार जनशक्ति पक्ष और प्रहार नेता बच्चू कडू की पार्टी

जैसे दल भी जुड़े हैं। मंच को जिला प्रशासन में औपचारिक रूप से रजिस्टर कराया गया ताकि सत्ता गठन में कानूनी अड़चन न आए। कांग्रेस को 6, शिंदेसेना 1, ठाकरे गुट 2, प्रहार 3, वंचित 2 सहित अन्य दलों की ताकत जोड़कर BJP ने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। विपक्ष सवाल उठा रहा है कि क्या भाजपा सत्ता के लिए अपने पुराने उसूल भूल रही है। भाजपा नेता इसे विकास आधारित गठबंधन बता रहे हैं और तर्क दे रहे हैं कि स्थानीय निकायों में ऐसे समीकरण सामान्य हैं, पर जानकार मानते हैं कि AIMIM से हाथ मिलाना BJP के लिए नैतिक चुनौती है। विरोधी दल इसे आने वाले विधानसभा चुनावों का ट्रेलर बता रहे हैं। जनता के बीच शक अब भी कायम है कि यह फैसला विकास के लिए है या सिर्फ सत्ता साधने के लिए।

### सुकमा में 26 नक्सलियों ने किया सरेंडर

## 13 माओवादियों पर था 65 लाख का इनाम, सात महिलाएं भी शामिल

छत्तीसगढ़ । छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में एक बड़े घटनाक्रम के तहत 26 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में 13 पर कुल 65 लाख रुपये का इनाम घोषित था। सुकमा के पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने बताया कि इन कैडरों में सात महिलाएं भी शामिल हैं, जिन्होंने राज्य सरकार की "पूना मार्गेम" पहल के तहत हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया। पुलिस के मुताबिक लगातार चल रही एंटी नक्सल मुहिम, विकास कार्यों और पुनर्वास नीति के कारण इलाके में नक्सल संगठन कमजोर पड़ रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि आने वाले दिनों में और भी कैडर हथियार डाल सकते हैं। इस सरेंडर को दक्षिण बस्तर क्षेत्र में सुरक्षा बलों की महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि ये सरेंडर करने वाले लोग माओवादियों की पीपल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (PLGA) बटालियन, दक्षिण बस्तर डिवीजन, माड़ डिवीजन और आंध्र–ओडिशा सीमा डिवीजन में सक्रिय थे। ये अबूझमाड़, छत्तीसगढ़ के सुकमा और ओडिशा के सीमावर्ती इलाकों में हुई कई गंभीर घटनाओं में शामिल रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों के रिकॉर्ड के अनुसार ये लोग IED लगाने, पुलिस दलों पर हमले, सड़क काटने और लोकल नेटवर्क संभालने जैसे काम करते थे। अधिकारियों ने यह भी कहा कि सरेंडर करने वाले कैडर राज्य सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति से प्रभावित थे, जिसके तहत उन्हें आर्थिक मदद, शिक्षा और रोज़गार का अवसर दिया जाता है। पुलिस ने भरोसा दिलाया कि इन सभी की कानूनी प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता से की जाएगी।

**लाली उर्फ मुचाकी पर था दस लाख का इनाम**

सरेंडर करने वालों में सबसे चर्चित नाम लाली उर्फ मुचाकी आयते लखमू (35) का है। वह कंपनी पार्टी समिति की सदस्य थी और उस पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित था। मुचाकी हिंसा की कई बड़ी वारदातों में शामिल रही है, जिनमें 2017 में कोरापुट रोड ओडिशा पर एक वाहन को निशाना बनाकर IED विस्फोट करना प्रमुख है। इस ब्लास्ट में 14 सुरक्षाकर्मियों की मौत हुई थी, जिसने पूरे देश को हिला दिया था। इसके अलावा चार अन्य प्रमुख कैडर—हेमला लखमा (41), अस्मिता उर्फ कमलू सन्नी (20), रामबती उर्फ पदम जोगी (21) और सुंदरम पाले (20)—इन चारों पर आठ–आठ लाख रुपये का इनाम था। पुलिस का कहना है कि इन कैडरों के मुख्यधारा में आने से संगठन को बड़ा झटका लगा है। स्थानीय लोगों ने भी इस फैसले का स्वागत किया है।

**2020 के मिनपा हमले में शामिल था लखमा**

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हेमला लखमा 2020 के मिनपा हमले में शामिल था, जिसमें 17 सुरक्षाकर्मियों की जान चली गई थी। आत्मसमर्पण करने वाले अन्य कैडरों में से तीन पर 5–5 लाख रुपये, एक कैडर पर तीन लाख, एक पर दो लाख और तीन कैडरों पर एक–एक लाख रुपये का इनाम था। सरेंडर करने वाले सभी नक्सलियों को शुरुआती तौर पर 50,000 रुपये की सहायता दी गई है। प्रशासन ने कहा कि इन्हें सरकार की नीति के अनुसार आगे पुनर्वासित किया जाएगा, जिसमें आवास, बच्चों की पढ़ाई, स्किल ट्रेनिंग और रोज़गार शामिल होगा। अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि इस कदम से सुकमा और आसपास के जिलों में शांति, अमन और विकास को नई मजबूती मिलेगी।

## हरियाणा राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस को झटका देने की तैयारी में BJP, फिर हो सकता है 'खेला'

हरियाणा। हरियाणा की सियासत में भाजपा एक बार फिर चौंकाने वाला दांव चलने के मूड में दिखाई दे रही है। दिसंबर 2024 के राज्यसभा चुनाव में पार्टी ने सबको हैरान करते हुए अपने समर्थन वाले एक निर्दलीय उम्मीदवार को जिता दिया था, जबकि उसके पास सिर्फ एक सीट जीतने लायक विधायक थे। उस चुनाव में कांग्रेस खाली हाथ रह गई थी और भाजपा की रणनीतिक जुगाड़ ने पूरा गणित पलट दिया था। अब मार्च 2026 में दो राज्यसभा सीटों पर चुनाव होने हैं, इसलिए राजनीतिक हलकों में फिर किसी अप्रत्याशित "खेला" की चर्चा तेज हो गई है। राज्य की दो राज्यसभा सीटें 9 अप्रैल 2026 को खाली हो रही हैं। मौजूदा विधानसभा गणित के मुताबिक एक सीट जीतने के लिए लगभग 31 विधायकों के समर्थन की जरूरत पड़ेगी। भाजपा के पास अपने 48 विधायक हैं और इनेलो के दो तथा तीन निर्दलीय सदस्य अब तक उसे समर्थन देते रहे हैं। इस तरह सत्तापक्ष की कुल ताकत करीब 51 विधायक बनती है। वहीं कांग्रेस के पास 37 विधायक हैं, जिससे दोनों दल एक–एक सीट जीतने की स्थिति में नजर आ रहे हैं। लेकिन यदि भाजपा दोनों सीटों पर कब्जा चाहती है तो उसे लगभग 62 विधायकों का साथ चाहिए, यानी 11 विधायक कम पड़ते हैं। सूत्रों का कहना है कि पार्टी पहले की तरह ही 9 से 11 विधायकों का और इंतज़ाम कर सकती है ताकि कांग्रेस को इस बार भी जीरो पर रोका जा सके। फिलहाल हरियाणा की पांचों राज्यसभा सीटें

भाजपा या उसके समर्थित सांसदों के पास हैं, जिनमें कार्तिकेय शर्मा को भाजपा समर्थित माना जाता है। भाजपा इस बार जातीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए किसी जाट, ओबीसी या दलित चेहरे को भेज सकती है। जाट कोटे से ओमप्रकाश धनखड़, जेपी दलाल और राजीव जेटली के नाम चर्चा में हैं, जबकि दलित चेहरों को लेकर भी मंथन जारी है।

अंदरखाने किरण चौधरी के लिए एक पूरे टर्म की चाह, और कई ब्राह्मण नामों पर कम संभावना जैसे पहलू भी समीकरण का हिस्सा हैं। साफ है कि 2026 का यह राज्यसभा चुनाव सिर्फ दो सीटों का मुकाबला नहीं, बल्कि राज्य की राजनीति का बड़ा पैग़ाम बनेगा। भाजपा का कोई भी चौंकाने वाला कदम कांग्रेस के लिए नई मुश्किलें खड़ी कर सकता है और हरियाणा की सियासत में नया मोड़ ला सकता है।

## RJD में 'सर्जरी' के संकेत: तेजस्वी यादव कर सकते हैं संगठन में बड़ा फेरबदल

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की करारी हार के बाद राष्ट्रीय जनता दल (RJD) में बड़े बदलाव के संकेत उभरने लगे हैं। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव लगभग एक महीने के विदेश प्रवास के बाद दिल्ली लौट आए हैं और उम्मीद है कि 20 जनवरी के बाद वे पटना पहुँचते ही संगठन में व्यापक "सर्जरी" करेंगे। सूत्रों के मुताबिक निष्क्रिय पदाधिकारियों की छुट्टी कर नए और ऊर्जावान चेहरों को मौका दिया जा सकता है, ताकि 2026 के चुनाव से पहले पार्टी को नए कलेवर में खड़ा किया जा सके। चर्चा के केंद्र में प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल हैं, जिन्हें पिछले साल ही कमान सौंपी गई थी। लगभग 75 वर्ष के मंडल अति पिछड़ी जाति से आते हैं, जिसकी बिहार में आबादी करीब 36 फीसदी है,

लेकिन उम्र और अपेक्षित सक्रियता न होने से उन्हें रिप्लेस करने पर विचार हो रहा है। पार्टी नेतृत्व संगठन में युवाओं और अनुभवी मगर सक्रिय नेताओं का संतुलन बनाना चाहता है। दूसरी ओर तेजस्वी यादव 20 जनवरी के बाद बिहार में जनसंवाद यात्रा पर निकल सकते हैं। राबड़ी आवास पर एक विशेष बस मंगाई गई है, जिससे वे विभिन्न जिलों का दौरा कर जनता, कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं से सीधा संवाद करेंगे। यात्रा के दौरान यह मुद्दा भी उठाने की तैयारी है कि चुनाव में जनादेश के साथ कथित छेड़छाड़ हुई। RJD ने भितरघात करने वाले लगभग 350 नेताओं की सूची तैयार की है और संतोषजनक स्पष्टीकरण न मिलने पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

# रॉयल पत्रिका

## संपादकीय....

## हेल्थ सरकारों की पहली प्राथमिकता बने, राज्यों में एम्स की गुणवत्ता पर सवाल

हेल्थ का सवाल सरकारों की प्राथमिकता में हो, यह केवल एक नारा नहीं बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बुनियादी ज़रूरत है। अच्छी गुणवत्ता वाली हेल्थकेयर संस्थाएं हर राज्य में मौजूद हों, यह वर्तमान सरकार का घोषित संकल्प है, पर ज़मीनी हकीकत इस दावे से मेल खाती नज़र नहीं आती। देश में क्षेत्रीय पीजी संस्थाओं और रोग-विशेष केंद्रों को छोड़ दें तो अभी तक एम्स को ही सर्वोपरि और आदर्श मॉडल माना गया है। आम आदमी की उम्मीदें भी इन्हीं संस्थाओं से जुड़ी रही हैं कि यहां इलाज, पढ़ाई और रिसर्च का ऐसा माहौल मिलेगा जो पूरे सरकारी तंत्र के लिए मिसाल बनेगा। इस समय देश में कुल 26 एम्स स्वीकृत हैं, जिनमें से लगभग बीस क्रियाशील बताए जाते हैं। संख्या का यह विस्तार देखने में प्रभावशाली लगता है, लेकिन सवाल यह है कि क्या ये नए एम्स वास्तव में उच्च स्तर की स्वास्थ्य सेवाएं दे पा रहे हैं या केवल इमारतों और बोर्डों तक सीमित रह गए हैं। ताज़ा रिपोर्ट्स बताती हैं कि इन संस्थाओं में शिक्षकों और विशेषज्ञ डॉक्टर-लेक्चररों की हर पांच में से दो सीटें खाली पड़ी हैं। स्टाफ की यह कमी सीधे तौर पर मरीजों की देखभाल पर असर डालती है, क्योंकि एम्स की परिकल्पना ही सुपर स्पेशियलिटी इलाज के साथ-साथ नई खोजों और रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए की गई थी। फंड की कमी और रखरखाव में कोताही के कारण अनेक जगहों पर महंगे मेडिकल उपकरण खरीदे ही नहीं गए, और जहां खरीदे गए वहां वे महीनों से पॉलिथीन में पैक पड़े हैं। कई मशीनें सह-उपकरणों के अभाव में चालू नहीं हो पातीं और धीरे-धीरे खराब होने लगती हैं। इसका नतीजा यह होता है कि मरीजों को छोटे-छोटे टेस्ट और प्रक्रियाओं के लिए भी निजी अस्पतालों की ओर रुख करना पड़ता है, जहां खर्च कई गुना अधिक है। सरकारी क्षेत्र का भरोसा टूटने की यह प्रक्रिया बेहद ख़तरनाक है। नई स्वास्थ्य नीति का ऐलान करते समय 2017 में कहा गया था कि सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय को जीडीपी के 2.5 फ़ीसद तक बढ़ाया जाएगा, पर पिछले आठ वर्षों में यह 1.6 फ़ीसद के आसपास ही अटका रहा। हाल के दिनों में आंकड़ों को बेहतर दिखाने के लिए जल मिशन और सफाई से जुड़े खर्च को भी इसमें जोड़कर कुल व्यय 2.1 फ़ीसद बताया जा रहा है। यह तरीका समस्या का समाधान नहीं बल्कि उससे आंख चुराने जैसा है। राज्यों के बीच असमानता भी इस संकट को गहरा करती है। केरल में स्वास्थ्य पर प्रति व्यक्ति सार्वजनिक व्यय 4438 रुपये है, जबकि उत्तर प्रदेश में यह मात्र 1457 रुपये के करीब है। इतने बड़े अंतर के साथ एक समान और सशक्त हेल्थ सिस्टम की कल्पना कैसे की जा सकती है। जिन प्रदेशों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ही बदहाल हों, वहां एम्स जैसे संस्थान भी अलग-थलग द्वीप बन जाते हैं। एम्स की गुणवत्ता बाधित होने का एक अहम कारण राजनीतिक और सामाजिक माहौल भी है।

# 1985-95 : भारत की दिशा बदलने वाला शोर-भरा ऐतिहासिक और राजनीतिक संक्रमण का दशक

### -मंडल, मंदिर, उदारीकरण और आईएसआई आतंक की क़ायम गूंज

देश की दिशा तय करने वाला हर दशक किसी न किसी लिहाज़ से अहम होता है। एक जवान और तरक्की की राह पर बढ़ते गणतंत्र के लिए हर दस साल नई उम्मीदें, नए खतरे और नए तजुर्बे लेकर आते हैं। मगर 1985-95 का दशक ऐसा था जिसने भारत की सियासत, समाज, सुरक्षा और इक़्तिसाद—हर मैदान में इतनी गहरी छाप छोड़ी कि उसकी पकड़ आज भी हमारे लोकतंत्र और सार्वजनिक विमर्शों पर क़ायम है। यह सिर्फ़ तारीख़ का एक हिस्सा नहीं, बल्कि मौजूदा भारत की बुनियाद का वह मोड़ है जहाँ से कई रास्ते एक साथ खुले और कई दरवाज़े हमेशा के लिए बंद हो गए। उस दशक की खबरों पर नज़र डालें तो महसूस होता है कि अच्छी और बुरी घटनाएँ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही थीं। शिखर पर पहुँचने के बाद कांग्रेस पार्टी का पतन शुरू हुआ, गठबंधनों की सियासत ने जन्म लिया, बोफोर्स घोटाले ने सत्ता की साख़ हिला दी, "मंडल बनाम मंदिर" की टक्कर ने समाज को दो ध्रुवों में बाँट दिया, पंजाब और कश्मीर में अलगाववाद ने उग्र शक्ल इख़्तियार की, श्रीलंका और मालदीव में भारत का सैन्य हस्तक्षेप हुआ, पाकिस्तान के साथ रिश्ते कई बार जंग के कगार तक पहुँचे, और इसी दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था का उदारीकरण भी शुरू हुआ। लोकसभा में 414 सीटों की चट्टानी स्थिरता के साथ आरंभ होने वाले इस दौर ने दस साल में चार प्रधानमंत्री देखे—राजीव गांधी, वी.पी. सिंह, चंद्रशेखर और पी.वी. नरसिम्हा राव। इतनी तेज़ राजनीतिक अदला-बदली क्या इस बात की दलील नहीं थी कि व्यवस्था किसी गहरे संक्रमण से

गुजर रही है?

**पड़ोस से लेकर दुनिया तक फैला हुआ तजुर्बा**

1985-95 का दौर वैश्विक उथल-पुथल का भी दशक था। अफ़ग़ानिस्तान में सोवियत क़ब्ज़े के ख़िलाफ़ छिड़ी जंग अपने आख़िरी मरहलों में थी। तियानआनमेन चौक की घटना ने चीन की अंदरूनी सियासत का चेहरा बेनक़ाब किया। 1991 में सोवियत संघ का विघटन हुआ और शीतयुद्ध का अंत हो गया। कुवैत पर सद्दाम हुसैन के कब्ज़े के बाद पहला खाड़ी युद्ध छिड़ा। रंगभेद की नीति दक्षिण अफ़्रीका में खत्म हुई, पूर्वी यूरोप में साम्यवादी सरकारें ढह गईं। इन सब बदलावों के बीच भारत ने भी खुद को नए रणनीतिक संदर्भ में पेश करना सीखा। 1992 में इजराइल के साथ औपचारिक दोस्ती क़ायम हुई, "लुक ईस्ट" नीति की नींव पड़ी, और भारतीय कूटनीति ने बहुध्रुवीय दुनिया में अपने लिए जगह तलाशनी शुरू की। आर्थिक सुधारों के कारण विश्वभर में पैर फैला रहे भारत का दर्जा ऊँचा हुआ। खाड़ी युद्ध के वक्त क़रीब डेढ़ लाख भारतीयों की सुरक्षित वतन वापसी ने दुनिया को हमारी प्रशासनिक क़ाबिलियत का अहसास कराया। मगर भरोसेमंद मित्र देश सोवियत संघ को खोने की कसक भी इसी दशक में मिली। ऊर्जा, रक्षा और विदेश नीति के कई समीकरण नए सिरे से लिखने पड़े। पाकिस्तान ने परमाणु कार्यक्रम की आड़ में जो "ब्लैकमेल" वाला अंदाज़ अपनाया, वह 1987 के ब्रासटैक्स अभ्यास और 1990 के कश्मीर संकट के दौरान खुलकर सामने आया। 1986-87 में सुमदोरोंग चू में चीन से आमना-सामना हुआ और बाद में तांग श्याओपिंग से सुलह की राह निकली। यह वह वक़्त था जब भारत ने समझा कि सिर्फ़ जज़्बाती बयान नहीं, बल्कि परिपक्व कूटनीति ही असल ढाल है।

**आशंकाओं का सच और सामना करने का हौसला**

आजादी के बाद से भारत जिन आशंकाओं से घिरा था—राजनीतिक अस्थिरता, साम्प्रदायिक और जातीय विभाजन, एटमी और आतंकवादी ख़तरे, सामाजिक उथल-पुथल—वे सब इस दशक में किसी न किसी रूप में सच साबित हुईं। एक परिवार आधारित नेतृत्व व्यवस्था कमजोर पड़ने लगी। 1984 के बाद राजीव गांधी से जो उम्मीदें बंधी थीं, वे 1989 आते-आते धुंधली हो गईं। वी.पी. सिंह की सरकार ने मंडल रिपोर्ट लागू कर आरक्षण का दायरा बढ़ाया तो पिछड़ी जातियों में नई जागरूकता पैदा हुई, मगर ऊँची जातियों में गुस्सा और विरोध भी भड़का। इसी टकराव के बीच भाजपा ने राम मंदिर आंदोलन को तेज़ कर दिया। सामाजिक न्याय बनाम धार्मिक पहचान की यह जंग न्यूज़ चैनलों और अख़बारों की सुर्ख़ियों में रोज़ नया रूप लेती रही। मगर सिक्के का दूसरा पहलू यह था कि भारत ने इन चुनौतियों का सामना कैसे किया। हमने गठबंधनों पर भरोसा करना सीखा, अपनी अर्थव्यवस्था को दुरुस्त किया, मानव संसाधन को ताकत बनाया और नए रणनीतिक संदर्भों के साथ खुद को पेश किया। इसी दौर में निजी क्षेत्र का विस्तार हुआ, टेलीकॉम क्रांति की बुनियाद पड़ी, सेवा क्षेत्र ने उड़ान भरी और आईटी उद्योग का बीज बोया गया। देश पहले की तुलना में ज्यादा ताक़तवर और आत्मविश्वासी बनकर उभरा।

**कंप्यूटर क्रांति—पहला पीढ़ीगत मोड़**

उस दौर का सबसे टिकाऊ बदलाव था—कम्प्यूटरों को राजीव गांधी द्वारा दिया गया बढ़ावा। 1985 में भारतीय न्यूज़रूमों में पहला कंप्यूटर एपल का बॉक्सनुमा डेस्कटॉप आया। इसके लिए अलग कमरा बनाना पड़ता था क्योंकि एसी, धूल-रहित माहौल और तकनीकी समझ जरूरी थी। जगह की कमी से जूझते न्यूज़रूम में की-बोर्ड के लिए आकर्षण बढ़ा। उंगलियों में दर्द पैदा करने वाले टाइपराइटरों से मुक्ति मिली, फ्लॉपी डिस्क के भरोसे खबरों को सहेजने का नया अंदाज़ आया। पत्रकारिता की भाषा, रफ्तार और प्रस्तुति बदलने लगी। मुझे याद है कि इन्हीं डेस्कटॉपों में से एक पर मैंने अपनी पहली रिपोर्ट टाइप की—मंडल रिपोर्ट पर उठे विवाद को लेकर। वह बहस आज भी जारी है। तकनीक ने खबर लिखना आसान किया, मगर सवाल वही रहे: क्या आरक्षण से बराबरी आएगी? क्या जातीय पहचान राष्ट्रीय एकता को कमजोर करेगी? यह दशक सिर्फ़ मशीनों का नहीं, सोच का अपग्रेड भी था।

**बाबरी विध्वंस और लोकतंत्र का इम्तिहान**

लालकृष्ण आडवाणी की रथयात्रा ने राष्ट्रीय राजनीति को झकझोर दिया। सितंबर 1990 में बिहार में उनकी गिरफ्तारी, फिर आंदोलन का और तेज़ होना, और आखिर दिसंबर 1992 में बाबरी मस्जिद का विध्वंस—इन घटनाओं ने कई राज्यों में साम्प्रदायिक दंगों को जन्म दिया। सबसे खूनी दंगे तत्कालीन बम्बई और उसके आसपास के स्लमनुमा शहरों में हुए जहाँ गरीब आबादी सबसे ज्यादा चपेट में आई। पुलिस की भूमिका पर सवाल उठे, मीडिया की रिपोर्टिंग पर इल्ज़ाम लगे, और न्यायपालिका के सामने यह सबसे बड़ा सवाल खड़ा हुआ कि आस्था और कानून के बीच लकीर कौन खींचेगा। इसके बाद 1993 में बॉम्बे में सीरियल बम विस्फोट हुए। प्रमुख व्यापारिक इमारतों और पड़ोसों को निशाना बनाया गया। देश की आर्थिक राजधानी दहशत में डूब गई। इन विस्फोटों के तार जितने वाज़ेह तौर पर पाकिस्तान से जुड़े नजर आए, वैसा पहले कभी नहीं हुआ था। तीन हर्फ़ों के संक्षिप्त नाम वाला आतंक—आईएसआई—खबरों में रोज़ अपनी मौजूदगी जताने लगा। तभी से यह नाम हमारे लिए सुरक्षा का सबसे बड़ा सरदर्द बना हुआ है।

**"विलेन नंबर वन" का जन्म**

माफ़िया सरगना दाऊद इब्राहिम शारजाह के क्रिकेट स्टेडियम में नाटकीय रूप से प्रकट होकर भारत के लिए "विलेन नंबर वन" बन गया। खेल के मैदान में उसकी मौजूदगी ने बताया कि अपराध, सिनेमा और क्रिकेट का माफिया से कैसा गहरा रिश्ता बन चुका है। टाडा कानून, प्रत्यर्पण संधियाँ, रेड कॉर्नर नोटिस—कितने ही क़दम उठे, मगर वह हाथ नहीं आया।

# ताकत के युग में भारत को भी हार्ड पावर बढ़ाना राष्ट्रीय सुरक्षा की सबसे बड़ी जरूरत

### -आर्थिक शक्ति, आधुनिक प्रतिरक्षा और ठोस गठबंधन से बनेगा मजबूत भारत

आज की दुनिया तेजी से ताकत, दमखम और अल्ट्रा-हार्ड पावर के युग में दाखिल हो चुकी है। नैतिकता, संवाद और सॉफ्ट पावर की बातें किताबों में अच्छी लगती हैं, मगर जमीनी हकीकत यह है कि वही देश सुने जा रहे हैं जिनके पास ठोस आर्थिक और सैन्य ताकत है। वेनेजुएला में हाल की अमेरिकी कार्रवाई हो या यूक्रेन पर रूस का धावा, गाजा में इजराइल का विध्वंस—ये सब बताते हैं कि अंतरराष्ट्रीय रिश्तों में कानून से ज्यादा लाठी की जुबान चल रही है। ऐसे माहौल में भारत अगर सिर्फ शांति का राग अलापता रहा, तो अपने हितों की हिफाजत मुश्किल हो जाएगी। करीब 1985-95 के दशक के बाद से हमने आर्थिक मोर्चे पर छलांग जरूर लगाई, मगर प्रतिरक्षा और रणनीतिक गठबंधनों में जो रफ्तार चाहिए थी, वह नहीं बन पाई। अब वक्त आ गया है कि हार्ड पावर का निर्माण राष्ट्रीय प्राथमिकता बने। मादुरो को पकड़कर अमेरिका उठा ले गया और उन पर टेररिज्म समेत कथित अपराधों के लिए मुकदमे चलाने की तैयारी है। मादुरो कोई फरिश्ता या संत नहीं हैं—उन पर चुनावों में धांधली, मानवाधिकारों का उल्लंघन और बल प्रयोग के आरोप लगते रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि किसी बाहरी ताकत द्वारा बल प्रयोग करके सत्ता बदल देना क्या सही है? इसका जवाब देना आसान नहीं। जब कोई नेता खुद ताकत के इस्तेमाल को जायज मानता है, तो उसके खिलाफ बड़ी ताकत का दखल भी कई लोगों को गलत नहीं लगता। मगर यह तर्क खतरनाक मिसाल बनाता है। इससे छोटे और कमजोर मुल्कों की सम्प्रभुता मजाक बन जाती है।

**शांति का भ्रम टूट चुका है**

कुछ साल पहले तक हमें लगता था कि दुनिया ने "जियो और जीने दो" का उसूल अपना लिया है। यूएन, अंतरराष्ट्रीय अदालतें और बहुपक्षीय संस्थाएं इतनी मजबूत हो गई हैं कि कोई देश मनमानी नहीं कर सकेगा। महज पांच साल पहले तक ऐसा महसूस होता था कि हम अमन के अभूतपूर्व दौर में हैं। मगर यह एक बड़ी गलतफहमी साबित हुई। इतिहास पर नजर डालें तो इंसान हमेशा हिंसा और शांति के बीच झूलता रहा है। स्वार्थ, लालच, सत्ता की भूख—ये सब हमारे डीएनए में गहरे पैठे हैं और बार-बार सिर उठाते हैं। शायद मनुष्य लंबे समय तक सामंजस्य से जीना सीख ही नहीं पाया। आज की सच्चाई निर्विवाद है—यदि आपके पास वास्तविक शक्ति है, इतनी कि आप किसी पर अपनी शर्तें थोप सकें और दूसरा पक्ष पलटकर लड़ भी न सके, तो आप कुछ भी कर गुजरते हैं। यूक्रेन पर रूस का हमला महीनों नहीं, सालों से चल रहा है और बातचीत से कोई हल नहीं निकला। गाजा में तबाही के बावजूद वैश्विक बिरादरी बेबस नजर आई। वेनेजुएला में अमेरिकी कार्रवाई ने तो मानो आखिरी परदा भी हटा दिया। आखिर यूएन ने आखिरी बार कब किसी बड़े संघर्ष में असरदार रोल अदा किया?

**भारत के लिए मायने साफ हैं**

भारत के लिए इस बदले हुए दौर का संदेश बिल्कुल वाजेह है—हार्ड पावर का निर्माण टाला नहीं जा सकता। हार्ड पावर मूलतः तीन स्रोतों से आती है। पहला, विशाल आर्थिक शक्ति। मजबूत इकॉनमी न केवल बड़ा बाजार बनाती है, बल्कि सरकार के लिए इतना राजस्व पैदा करती है कि प्रतिरक्षा को साकार किया जा सके। दूसरा स्रोत है, आधुनिक सैन्य ताकत। आज फौजी शक्ति का मतलब सिर्फ सैनिकों की तादाद और टैंक-तोप नहीं, बल्कि सबसे उन्नत सैन्य तकनीक है। मौजूदा लड़ाइयां ड्रोन, सैटेलाइट, साइबर सिस्टम और जीपीएस निर्देशित हथियारों से लड़ी जा रही हैं। तीसरा स्रोत है, ठोस गठबंधन और साझेदारियां। इजराइल और ब्रिटेन जैसे देश अपने आकार से कहीं ज्यादा असर इसलिए रखते हैं क्योंकि उन्हें अमेरिका का पुख्ता समर्थन हासिल है। भारत ने आर्थिक मोर्चे पर काफी हद तक कामयाबी पाई है। डिजिटल पेमेंट, स्टार्टअप, मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में हमने दुनिया को अपनी मौजूदगी का एहसास कराया। मगर केवल इकॉनमी काफी नहीं। मजबूत अर्थव्यवस्था को प्रतिरक्षा उद्योग से जोड़ना होगा। "मेक इन इंडिया" की तरह "मेक फॉर डिफेंस इन इंडिया" को असली मिशन बनाना पड़ेगा। हमें अपनी सैन्य रिसर्च, स्वदेशी उत्पादन और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर जोर देना होगा, ताकि बाहरी खरीद पर निर्भरता कम हो।

**सिर्फ खरीद से ताकत नहीं बनती**

पश्चिम से विमान और हथियार खरीद लेने भर से सैन्य ताकत खड़ी नहीं होती। उपकरणों की मेंटेनेंस, स्पेयर पार्ट्स और अपग्रेड के लिए फिर उन्हीं देशों का मुंह देखना पड़ता है। असली पावर तब आती है जब आपकी अपनी फैक्ट्रियां, लैब और इनोवेशन हों। टीपू सुल्तान के रॉकेट इनोवेशन की मिसाल हम गर्व से देते हैं—वह स्वदेशी सोच का नतीजा था। आज हमें उसी जज्बे को नए रूप में जिंदा करना होगा। उन्नत ड्रोन, एंटी ड्रोन सिस्टम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित हथियार, समुद्री सुरक्षा के आधुनिक जहाज—ये सब भारत में बनें, तभी हम आत्मनिर्भर कहलाएंगे। इसके लिए निजी सेक्टर को भी शामिल करना जरूरी है। सरकारी कंपनियों के साथ-साथ स्टार्टअप और कॉरपोरेट घरानों को डिफेंस प्रोडक्शन में खुला मैदान मिले। जीएसटी और टैक्स नीति ऐसी हो कि प्रतिरक्षा उद्योग को सहूलियत मिले। दस करोड़ या सौ करोड़ के नहीं, हजारों करोड़ के स्वदेशी प्रोजेक्ट खड़े हों। यूं ही हम 10 करोड़ के प्रोजेक्ट रिपोर्ट बना रहे हैं, मगर राष्ट्रीय स्तर पर 10 लाख करोड़ का डिफेंस विजन चाहिए।

**साइबर और स्पेस—नई जंग के मैदान**

आने वाले वक्त में जंग का मैदान जमीन तक सीमित नहीं रहेगा। साइबर स्पेस, अंतरिक्ष और सूचना तंत्र सबसे अहम मोर्चे होंगे। जिस देश के पास मजबूत सैटेलाइट नेटवर्क, डेटा सुरक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की महारत होगी, वही बढ़त लेगा। भारत को इन क्षेत्रों में तेज निवेश करना होगा। केवल उपभोक्ता प्लेटफॉर्म्स से विश्वास नहीं बढ़ता; राष्ट्रीय सुरक्षा के प्लेटफॉर्म्स भी उतने ही जरूरी हैं। 1985-95 के दशक में जब मोबाइल और इंटरनेट का शुरुआती दौर था, तब हमने टेक्नोलॉजी को सिर्फ सुविधा समझा। अब वही टेक्नोलॉजी रणनीतिक हथियार बन गई है। अगर हमने अभी कदम नहीं बढ़ाए, तो अगला दशक किसी और की शर्तों पर चलेगा।

**कूटनीति भी ताकत से चलती है**

हार्ड पावर का मतलब यह नहीं कि बातचीत छोड़ दी जाए। मगर सच्ची कूटनीति भी ताकत के सहारे खड़ी होती है। कमजोर मुल्क की बात कोई नहीं सुनता। पाकिस्तान को लेकर हमारी प्रतिक्रियाएं बदल रही हैं क्योंकि भारत की आर्थिक और सैन्य स्थिति पहले से बेहतर हुई है। फिर भी हमें प्रमुख साझेदारियों को और मजबूत करना होगा—अफ्रीका, मध्य पूर्व, दक्षिण पूर्व एशिया में ठोस रणनीतिक दोस्तियां बनें।

# देश के चमकते शहरों के पीछे छुपे अनेक भागीरथपुरा और गंदे मोहल्लों की अनदेखी

### -नगरों की बाहरी सफाई, भीतर बढ़ती विषमता का सच

इंदौर में दूषित पेयजल की आपूर्ति से कई लोगों की मौत की खबर सिर्फ एक नगर की घटना नहीं, बल्कि हमारी पूरी शहरी व्यवस्था पर एक दर्दनाक सवाल बनकर सामने आई है। जिस शहर को बरसों से स्वच्छता का सिरमौर कहा जाता रहा, वहीं अगर लोग गंदा पानी पीकर जान गंवा दें, तो यह हादसा हमें सोचने पर मजबूर करता है कि हम जिस "साफ शहर" का जश्न मनाते हैं, क्या उसकी बुनियाद वाक़ई मजबूत है? या फिर चमकदार सड़कों और रंगी हुई दीवारों के पीछे एक और गंदा शहर खामोशी से सांस ले रहा होता है?

**हर साफ शहर में छुपा होता है दूसरा शहर**

हिंदुस्तान का शायद ही कोई ऐसा नगर होगा, जहां सिर्फ एक ही तस्वीर मौजूद हो। सामने चौड़े रास्ते, मॉल, मेट्रो, चमकती लाइटें और व्यवस्थित सोसायटियां दिखती हैं। मगर इनके ठीक पीछे तंग गलियां, कच्ची बस्तियां, टूटे नल, उफनते सीवर और बदहाल घर भी होते हैं। यही वे इलाके हैं जिन्हें अक्सर भागीरथपुरा जैसे नामों से जाना जाता है। ये नाम अलग-अलग शहरों में बदल जाते हैं, मगर हक़ीक़त एक जैसी रहती है— अभाव, बेपरवाही और विषमता। स्वच्छता सर्वेक्षण हमारे शहरों के सिर्फ उसी हिस्से को नापता है जो कैमरे के सामने लाने लायक़ होता है। जिन मोहल्लों में अफ़सर रहते हैं, जहां सियासत की निगाहें टिकी होती हैं, वहीं कचरा समय पर उठता है, सड़कें धुलती हैं, पार्क सजते हैं। लेकिन जिन बस्तियों में मजदूर, रेहड़ी वाले, सफाईकर्मी और घरेलू काम करने वाली बाइयां रहती हैं, वहां की जिंदगी सर्वे की फाइलों में जगह नहीं पाती। इसीलिए आंकड़ों में शहर अव्वल आता है और इंसानी सेहत में फिसड्डी साबित हो जाता है।

**स्मार्ट सिटी का अधूरा ख़्वाब**

बीते दस साल में देश के अनेक शहरों को स्मार्ट सिटी बनाने का प्रोजेक्ट चला। काग़ज़ों में यह योजना बहुत दिलकश थी—आधुनिक सीवर सिस्टम, सुरक्षित पेयजल, डिजिटल निगरानी, बेहतर ट्रैफिक। मगर ज़मीन पर जो दिखाई दिया वह अक्सर एक बेडौल कोलाज है। कहीं खुदी हुई सड़कें सालों से बंद पड़ी हैं, कहीं सीवर लाइने आधी बिछाकर छोड़ दी गईं, पुल अधबने खड़े हैं, पानी की पाइपें पुरानी व्यवस्था से जोड़ दी गईं। नतीजा यह कि नई और पुरानी दोनों व्यवस्थाएं गड्डमड्ड हो गईं। इंदौर का हादसा भी इसी उलझन से पैदा हुआ लगता है। पानी की सप्लाई लाइनें अगर जर्जर सीवर से मिल जाएं, तो सबसे स्वच्छ शहर में भी सबसे गंदा पानी घरों तक पहुंच सकता है। यह चूक सिर्फ तकनीकी नहीं, योजना की नीयत और निगरानी की कमी की कहानी है। अरबों रुपये खर्च होने के बाद भी अगर बुनियादी ढांचा भरोसे के क़ाबिल न हो, तो स्मार्ट शब्द सिर्फ एक लेबल बनकर रह जाता है।

**सामाजिक-आर्थिक विषमता: असली दुश्मन**

असल में हमारे शहरों को बरबाद करने वाली ताक़त गंदगी से ज्यादा विषमता है। नगर-योजना का केंद्र आज भी मध्यम और उच्च वर्ग है। गरीब आदमी शहर में काम करने आता है, बसने नहीं। उसे सस्ती मजदूरी देने की व्यवस्था तो बन जाती है, मगर सस्ती और सम्मानजनक रिहाइश का इंतज़ाम नहीं होता। इसलिए वह उन्हीं साफ मोहल्लों के पीछे गंदी-अंधेरी गलियों में रहने पर मजबूर होता है। ये लोग हमारे नगरों के भागीरथ हैं। वे सुबह तड़के उठकर कचरा उठाते हैं, नालियां साफ करते हैं, सड़कें बुहारते हैं। वे हमारी गाड़ियां धोते हैं, कपड़ों में इस्त्री करते हैं, घरों में बाइयों की तरह काम करते हैं। उनकी मेहनत से ही नगर रहने लायक़ बनते हैं। मगर विडंबना यह कि इन्हीं मेहनतकश हाथों को सबसे कम हक़ और सुविधाएं मिलती हैं। जब कोई संकट आता है— कोविड जैसी महामारी, बाढ़, या आर्थिक मंदी— तो यही लोग सबसे पहले शहर छोड़ते हैं। जिन नगरों को उन्होंने अपने खून-पसीने से संवारा, वे उनके लिए पराये साबित होते हैं। न स्वास्थ्य सुरक्षा, न पानी की गारंटी, न रोज़गार का भरोसा। शहर उनसे काम तो लेता है, अपनाता नहीं।

**पुराने बाशिंदों के साथ भी सौतेला सलूक**

सिर्फ बाहर से आए गरीब ही नहीं, शहर के पुश्तैनी निवासी भी तरक्की की रफ्तार में पीछे छूट जाते हैं। बहुत से लोग पुराने मोहल्लों की तंग गलियों में अपने पुरखों के घरों में क़ैद से होते हैं। वे किराने की छोटी दुकानें चलाते हैं, या भव्य प्रतिष्ठानों में मामूली कर्मचारी बनकर काम करते हैं। नई नगर-योजना इनके लिए भी जगह नहीं बनाती। हेरिटेज के नाम पर कुछ इमारतें बचा ली जाती हैं, मगर वहां रहने वाले इंसान उपेक्षित रह जाते हैं। इन इलाकों में भी पानी की पाइपें दशकों पुरानी हैं, ड्रेनेज कमजोर है, सफाई अनियमित है। यह भी दूसरा शहर है— वह शहर जो इतिहास का बोझ ढोता है और वर्तमान की चमक में शामिल नहीं हो पाता।

**पानी का सवाल सबसे बुनियादी**

इंदौर में उठे सवाल— "क्या स्वच्छता सर्वेक्षण में गड़बड़ी हुई?"— का जवाब इतना आसान नहीं। सर्वे में शायद गड़बड़ी न भी हुई हो, मगर हमारी प्राथमिकताओं में ज़रूर गड़बड़ है। पेयजल, सीवर और सार्वजनिक सेहत किसी भी नगर के सबसे बुनियादी स्तंभ हैं। अगर इन्हीं पर सबसे कम ध्यान दिया जाएगा, तो अव्वल शहर भी कभी भी नासूर में बदल सकता है। देश के लगभग हर नगर में लोग आज भी टैंकर के पानी पर निर्भर हैं। कहीं नलों में पानी आता ही नहीं, कहीं आता है तो पीने लायक़ नहीं होता। सीवर सिस्टम कई जगह खुले नालों की शक्ल में है। कचरा प्रबंधन असंगठित है। इन हालात में स्वच्छता का मतलब सिर्फ बाहरी सफाई रह जाता है, आंतरिक शुद्धता नहीं।

**दो शहरों के बीच टूटता पुल**

ध्यान से देखें तो हर नगर में दो शहर होते हैं— वह जो पोस्टरों में, सर्वेक्षणों में और पर्यटन की ब्रोशर में दिखता है। वह जो इस चमकदार शहर को चलाने के काम में लगा रहता है, मगर खुद अंधेरे में जीता है। इन दोनों के बीच कोई मजबूत पुल नहीं है। नीतियां ऊपर वाले शहर में बनती हैं, नीचे वाले शहर पर थोप दी जाती हैं। अफ़सरशाही और सियासत अक्सर गरीब बस्तियों को समस्या की तरह देखती है, समाधान की तरह नहीं। इसलिए गंदगी पैदा होती रहती है और सफाई का बोझ कुछ लोगों पर डाल दिया जाता है।

### ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट—2026:

# मुख्य सचिव ने की तैयारियों की समीक्षा, 50 हजार किसान सीखेंगे विश्वस्तरीय तकनीक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में बुधवार को शासन सचिवालय में राजस्थान ग्लोबल एग्रीटेक मीट 2026 के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा हेतु बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने, उन्हें कृषि क्षेत्र में अग्रणी बनाने और उनकी उत्पादकता बढ़ाने के लिए सदैव प्रयत्नशील है। उन्होंने कहा कि ग्राम के आयोजन से प्रदेश के किसान आधुनिक तकनीकों की जानकारी प्राप्त कर इनके माध्यम से स्मार्ट फार्मिंग कर कृष क्षेत्र में अग्रणी बनेंगे।

मुख्य सचिव ने ग्राम के सफल आयोजन के लिए कृषि, उद्यानिकी, डेयरी, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारिता, राजस्व, उद्योग, पर्यटन आदि विभागों को आपसी समन्वय से काम करने के लिए कहा। इस आयोजन में कृषकों की भागीदारी के लिए मुख्य सचिव ने कृषकों का पोर्टल पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने के लिए कहा, जिससे प्रगतिशील किसान ज्यादा से ज्यादा भाग लें और नवीन तकनिकों एवं नवाचारों का फायदा ले सकें। प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी श्रीमती मंजू राजपाल ने पीपीटी के माध्यम से ग्राम की तैयारियों पर प्रजेंटेशन दिया। उन्होंने बताया कि ग्राम के आयोजन में पूरे प्रदेश से 50 हजार से ज्यादा कृषक भाग लेंगे, जिसमें राज्य के एवं संबद्ध क्षेत्रों की कृषि क्षमताओं एवं संभावनाओं का प्रचार-प्रसार किया जायेगा, देश-विदेश में रोड शो का भी आयोजन किया जायेगा। इस आयोजन में कृषक वैज्ञानिक संवाद, कृषक गोष्ठियों, प्रदर्शनी, सेमिनार, कान्फ्रेन्स, क्रेता-विक्रेता बैठकों व बिजनस बैठक का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में 250 से अधिक प्रदर्शक एवं कम्पनियां, कृषि विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों, 32 से अधिक देशों के प्रतिनिधि मंडलों, कृषि विश्वविद्यालयों, आईसीएआर के संस्थानों एवं अन्य सरकारी व गैर सरकारी संगठनों की भागीदारी होगी। उल्लेखनीय है कि ग्राम के आयोजन का उद्देश्य विश्व स्तर पर उपलब्ध कृषि क्षेत्र में नवीन तकनीकों और नवाचारों को प्रदेश में किसानों तक पहुंचाना है। जिससे प्रदेश के कृषक नवीन तकनीक अपनाकर अपनी उत्पादकता में वृद्धि कर सकेंगे और प्रदेश के कृषकों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

बैठक में कृषि, उद्यानिकी, डेयरी, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारिता, राजस्व, उद्योग, पर्यटन, जल संसाधन, ग्रामीण विकास, ऊर्जा, वित्त, शहरी विकास, सूचना प्रौद्योगिकी, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ती आदि विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया गया।

# जयपुर में कल होगी प्रदेश कांग्रेस की बैठक

### -मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान की बनेगी रणनीति

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। काम के अधिकार की रक्षा हेतु मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान की तैयारी हेतु राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा की अध्यक्षता में प्रदेश कांग्रेस की विस्तारित कार्यकारिणी की बैठक कल दिनांक 08 जनवरी 2026 को जयपुर स्थित तोतूका भवन, नारायण सिंह सर्किल में आयोजित होगी। दिनांक 09 जनवरी, 2026 को प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा जयपुर स्थित कान्स्टीट्यूशन क्लब में कांग्रेस पार्टी के जिला प्रमुख एवं जिला परिषद् सदस्यों की बैठक लेंगे जिसमें नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी उपस्थित रहेंगे। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव तथा मीडिया चेयरपर्सन स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा की अध्यक्षता में मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान की तैयारी हेतु प्रदेश कांग्रेस की विस्तारित कार्यकारिणी की बैठक कल दिनांक 08 जनवरी, 2026 को प्रातः 11:00 बजे जयपुर स्थित तोतूका भवन, नारायण सिंह सर्किल में आयोजित होगी। बैठक में एआईसीसी प्रदेश प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित राजस्थान से एआईसीसी पदाधिकारी, कांग्रेस विधायक, विधायक प्रत्याशी, कांग्रेस सांसद, सांसद प्रत्याशी, प्रदेश पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, विधानसभा समन्वयक सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

# मंत्री अविनाश गहलोत ने देखा कृत्रिम अंगों पर शोध संस्थाओं का प्रस्तुतिकरण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने बुधवार को उन सरकारी या गैर सरकारी शोध संस्थानों, संगठनों एवं व्यक्तियों के प्रस्तुतिकरण देखे, जिन्होंने विशेष योग्यजनों को और अधिक सुविधा एवं सम्बल देने के लिए कृत्रिम अंग या उपकरण की गुणवत्ता के संबंध में शोध किए हैं। मुख्यालय अम्बेडकर भवन में आयोजित इस अहम बैठक में मशहूर कंपनियों के प्रतिनिधियों ने विशेष योग्यजनों के लिए काम आ रहे कृत्रिम अंगों और उपकरणों को अत्याधुनिक और सहज बनाने के शोध विचार और सुझाव संबंधी विचार रखे। गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की बजट घोषणा में राज्य में विशेष योग्यजनों को और अधिक सुविधा एवं सम्बल प्रदान करने की दृष्टि से आर्टिफिशियल लिंब्स और इक्यूपमेंट की गुणवत्ता के संबंध में शोध की घोषणा की थी। इसी की अनुपालना में संस्थानों से अभिरुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की गई थी। उन्होंने कहा राज्य सरकार की मंशा है कि विशेष योग्यजनों को मिलने वाले उपकरण गुणवत्तायुक्त हों, उपयोगी हों और पहले से अधिक सहज भी हों। सामाजिक न्याय मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में ऐसा नवाचार करने वाला राजस्थान अकेला प्रदेश है, जहां विशेष योग्यजनों के लिए सरकार इतनी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने उपकरणों और अंगों को और अधिक हल्का, किफायती तथा उपयोग में सुविधाजनक बनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने शोध संस्थाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास दिव्यांगजनों के जीवन में स्वावलंबन, सम्मान और आत्मविश्वास बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में मददगार साबित होंगे। बैठक में आयुक्त निदेशालय विशेष योग्यजन इकबाल खान, निजी सचिव रोहित कुमार, अतिरिक्त निदेशक चंद्रशेखर चौधरी सहित रवि पूर्वया, डॉ वैभव भंडारी, क्षितिज शर्मा, डॉ अमित नाटाणी, डॉ विजय राठौर, मृणाल जोशी, सुदेश पचार, महावीर विकलांग सहायता समिति सहित कई संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

# सक्षम जयपुर अभियान के तहत बस्सी में नारी चौपाल सशक्त मंच बना, महिला नेतृत्व का जीवंत प्रदर्शन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप जयपुर जिले में महिला सशक्तिकरण को सशक्त आधार देने की दिशा में सक्षम जयपुर अभियान के तहत नारी चौपाल कार्यक्रम प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत उपखण्ड स्तर पर आयोजित इन चौपालों ने महिलाओं को संवाद, सहभागिता और आत्मनिर्भरता का सशक्त मंच प्रदान किया है। इसी क्रम में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार बुधवार को बस्सी उपखण्ड में नारी चौपाल का भव्य आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में हजारों महिलाओं एवं बालिकाओं की सहभागिता ने आयोजन को प्रेरणादायी बना दिया। महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजेश डोगीवाल ने बताया कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी मृणाल कुमार एवं उपखण्ड अधिकारी डॉ. गरिमा शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित चौपाल में महिलाओं ने आत्मविश्वास, हुनर और नेतृत्व क्षमता का प्रभावी प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान मारवाड़ी लोकगीत, लोकनृत्य, नुक्कड़ नाटक एवं आत्मरक्षा प्रशिक्षण जैसी प्रस्तुतियों ने चौपाल को जीवंतता प्रदान की। "हम होंगे कामयाब" और "मेरा काम मेरा सम्मान" जैसी प्रस्तुतियों के माध्यम से महिलाओं ने स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता का सशक्त संदेश दिया। विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं द्वारा अनुभव साझा किए जाने से उपस्थित प्रतिभागियों को आगे बढ़ने की नई प्रेरणा मिली। नारी चौपाल में महिला एवं बाल विकास, चिकित्सा, शिक्षा, पुलिस, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।अधिकारियों ने महिलाओं से सीधे संवाद कर स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, पोषण, स्वरोजगार और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। मौके पर लगाए गए सहायता काउंटरों के माध्यम से महिलाओं को योजनाओं से जुड़ा मार्गदर्शन और सहयोग भी उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं ने सक्षम जयपुर अभियान के समर्थन में हस्ताक्षर किए तथा बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ की शपथ ली। नोडल अधिकारी एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी मृणाल कुमार द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। डॉ. डोगीवाल ने बताया कि नारी चौपाल का उद्देश्य महिलाओं को जागरूक, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है। इन चौपालों के माध्यम से महिलाओं की समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुना जा रहा है, जिससे नीति एवं क्रियान्वयन में सकारात्मक बदलाव संभव हो रहा है।

### मिलावट के खिलाफ अभियान:

# 10 हजार लीटर वनस्पति घी एवं 150 किलो मिर्च पाउडर सीज

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेशवासियों को शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाने के लिए मिलावट के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। इसी कड़ी में शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत बुधवार को जयपुर में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 10हजार लीटर वनस्पति घी सीज किया गया। साथ ही, अन्य स्थानों पर कार्रवाई कर नमूने लिए गए। खाद्य सुरक्षा आयुक्त डॉ. टी. शुभमंगला ने बताया कि 'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' अभियान के अंतर्गत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत के नेतृत्व में कुकरखेड़ा मंडी स्थित मैसर्स रुक्मणी इंटरप्राइजेज पर मिलावट के संदेह पर 9853 लीटर अशोका ब्राण्ड का वनस्पति घी सीज़ किया गया। मौके पर अशोका वनस्पति के 2 अलग—अलग बैच के सैंपल लिए गए एवं एक सैंपल नेचर फ्रेश वनस्पति का भी लिया गया। उल्लेखनीय है कि अशोका वनस्पति का इसी फर्म से सितम्बर 2025 में लिया गया नमूना सबस्टैण्डर्ड पाया गया था। इसके अलावा मैसर्स सैनी किराना स्टोर, रोड नं. 17 वीकेआई से मिर्च पाउडर का सैंपल लिया गया तथा 150 किलो मिर्च पाउडर सीज़ किया गया। इसी प्रकार वीकेआई क्षेत्र में ही मैसर्स अग्रवाल इंटरप्राइजेज से महान ब्राण्ड के घी का सैंपल तथा मुकेश डिपार्टमेंटल स्टोर से धनिया पाउडर एवं चौमू किराना स्टोर से सरसों के तेल का नमूना लिया गया। नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर आगामी कार्यवाही की जाएगी। इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार शर्मा, वीरेंद्र सिंह, विशाल मित्तल तथा पवन गुप्ता शामिल रहे।

# जयपुर में जुटेंगे दुनियाभर के लेखक और प्रकाशक, जयपुर बुकमार्क 2026 की तैयारी पूरी

### -किताबों, भाषा और तकनीक पर होगी बड़ी बातचीत

फरहान इसराइली

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। दक्षिण एशिया के अग्रणी बी2बी प्रकाशन मंच जयपुर बुकमार्क (जेबीएम) का 13वाँ संस्करण 15 से 19 जनवरी 2026 के बीच जयपुर लिटरेचर फ़ेस्टिवल के साथ आयोजित किया जाएगा। यह मंच भारत और दुनिया भर से प्रकाशकों, लेखकों, अनुवादकों, साहित्यिक एजेंटों, पुस्तकों के विक्रेताओं और प्रकाशन उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों को एक साथ लाता है, ताकि समकालीन प्रकाशन जगत में उभरते रुझानों, अंतरराष्ट्रीय सहयोगों और प्रकाशन-जगत के नये विचारों पर चर्चा की जा सके।

आगामी संस्करण के बारे में बोलते हुए जयपुर बुकमार्क की निदेशक, मनीषा चौधरी ने कहा, "जयपुर बुकमार्क 2026 का पूरा कार्यक्रम गहन सोच-विचार के साथ तैयार किया गया है जो प्रकाशन उद्योग की गतिशील और निरंतर विकसित होती प्रकृति को प्रतिबिंबित करता है। उभरते रुझानों और नई कथात्मक विधाओं की पड़ताल से लेकर भारतीय भाषाओं में प्रकाशन का उत्सव मनाने और तकनीक के प्रभाव को समझने तक—इस वर्ष का संस्करण सभी प्रतिभागियों को प्रेरित करने, जानकारी प्रदान करने और सहयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।"

जयपुर लिटरेचर फ़ेस्टिवल की सह-संस्थापक एवं सह-निदेशक तथा जयपुर बुकमार्क की निदेशक नमिता गोखले ने कहा, "जयपुर बुकमार्क की स्थापना 2014 में प्रकाशन के मूल्यों का उत्सव मनाने और पुस्तक व्यापार के पेशेवर पहलुओं से संवाद के उद्देश्य से की गई थी। कथाओं और संस्कृति के संरक्षक के रूप में प्रकाशन उद्योग साहित्य तथा विचारों की अभिव्यक्ति और प्रसार की बुनियाद बना हुआ है। हम भाषाओं और मंचों के पार प्रकाशन की दुनिया का एक समुदाय बना रहे हैं, जो नई और पारंपरिक—दोनों तकनीकों के माध्यम से अपनी कहानियाँ साझा कर रहा है।"

जयपुर बुकमार्क एक समृद्ध और व्यापक कार्यक्रम प्रस्तुत करेगा, जो वैश्विक प्रकाशन परिदृश्य में हो रहे परिवर्तनों को दर्शाता है। सम्मेलन का उद्घाटन प्रख्यात कवि, सांस्कृतिक विचारक और क्यूरेटर रणजीत होस्कोटे के भाषण से होगा, जो बौद्धिक विमर्श की दिशा तय करेगा।

'इल्यूमिनेटिंग ट्रांसलेशंस' सत्र में कनिष्क गुप्ता, पुरस्कार-विजेता अनुवादक दीपा भस्थी और संपादक मौतुशी मुखर्जी बानू मुश्ताक के बुकर पुरस्कार-विजेता संग्रह हार्ट लैम्प (दीपा भस्थी द्वारा अनूदित) के संदर्भ में अनुवाद और पुस्तक-विविधता की संभावनाओं पर संवाद करेंगी।

'इन फ्यूचरस्केप: स्पॉटिंग ट्रेंड्स इन द पब्लिशिंग इंडस्ट्री' सत्र में समीर पाटिल और एम्मा हाउस, मेरु गोखले के साथ, जनरेटिव एआई और अन्य उभरती तकनीकों के प्रकाशन जगत पर प्रभाव पर चर्चा करेंगे।

'हिंदी लिटरेरी पॉडकास्ट्स: साहित्य के नए खोजदीप' सत्र में अंजुम शर्मा, आरती जैन और अनुराग माइनस वर्मा, जय प्रकाश पांडेय के साथ, डिजिटल मंचों द्वारा हिंदी साहित्य को मिल रही नई ऊर्जा पर विचार करेंगे।

पारंपरिक पुस्तकों की दुकानों के सांस्कृतिक प्रभाव पर 'द सेंट ऑफ़ बुक्स: स्टोरीज़ अबाउट बुकस्टोर्स' सत्र में अनुज बहरी, निजेश शाह, मुरली डी. पी. और मोहित बत्रा, स्वाती दफ्तुआर के साथ संवाद करेंगे।

'नॉर्दर्न लाइट्स: चिल्ड्रन्स लिटरेचर फ्रॉम नॉर्वे' में नॉर्वेजियन लिटरेचर अब्रॉड (नोरला) के ओलिवर मॉइस्टाड, डूडा स्प्रयूइट के साथ, बोलोन्या 2026 से पहले नॉर्वे के बाल प्रकाशन पर चर्चा करेंगे।

'द चिल्ड्रन्स पब्लिशिंग राउंडटेबल: नर्चरिंग न्यू रीडर्स' में हिमांशु गिरी, नीरज जैन, रिचा झा, सान्या कंवर, सोहिनी मित्रा, टीना नारंग और उजन दत्ता, स्मित ज़ावेरी के साथ, भारत में बाल प्रकाशन की चुनौतियों और अवसरों तथा पढ़ने की संस्कृति के पोषण पर विमर्श करेंगे।

ब्रिटिश काउंसिल द्वारा प्रस्तुत 'लाइव लाइन्स: इंडिया–यूके पब्लिशिंग फेलोज़ कनेक्ट' में इंडिया–यूके पब्लिशिंग फेलोशिप के अंतर्गत हैरिएट हिर्शमैन और रूबी हेम्ब्रोम, हेमा सिंह रांस के साथ सीमा-पार प्रकाशन सहयोग पर चर्चा करेंगी।

'ऑप्टिमिज़्म इन द टाइम्स ऑफ़ चेंज: मैपिंग द फ्यूचर फ़ॉर बिग पब्लिशर्स' में अनंत पद्मनाभन, सीईओ, हार्परकॉलीन्स इंडिया, श्रेय पंज के साथ बड़े पैमाने पर तकनीकी बदलावों से निपटने के अनुभव साझा करेंगे।

मराठी प्रकाशन संस्थान पॉपुलर प्रकाशन की 100 वर्षों की विरासत को 'पॉपुलर प्रकाशन: ए सेंचुरी ऑफ़ सीडिंग कल्चर' के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा, जहाँ हर्षा भटकल और अनिश गावंडे संवाद करेंगे।

'ये दिल मांगे मोर: आर्ट एंड एनीमे फ्रॉम जापान' में प्रसिद्ध मंगा कलाकार योशितोकी ओइमा और जापान के प्रतिष्ठित प्रकाशक कोडांशा के योशियाकी कोगा, राधिका झा के साथ बातचीत करेंगे।

'मराठी पब्लिशिंग: वैभवी परंपरा आणि आश्वासक भविष्य' सत्र में आशुतोष रामगिर, किरण हरिभाऊ कुलकर्णी, विकास परांजपे और रोहन चंपानेकर, हर्षा भटकल के साथ मराठी प्रकाशन पर अपने विचार साझा करेंगे।

**अन्य प्रमुख सत्रों में शामिल हैं—**

'अकादमिक पब्लिशिंग: द ट्रायड ऑफ़ एक्सेस, स्पीड एंड एक्सीलेंस' (सेज पब्लिकेशंस द्वारा प्रस्तुत), जिसमें चंद्रिका परमार, दिनेश सिंह और शोभित महाजन, सुगत घोष के साथ संवाद करेंगे; 'मार्केटिंग राउंडटेबल: द हब एंड द स्पोक्स इन द व्हील', जिसमें निजेश शाह, अजय जैन, राहुल दीक्षित, रचना कलरा और सक्षम गर्ग, आकृति त्यागी के साथ चर्चा करेंगे; फ्रेंच बुक ऑफिस द्वारा प्रस्तुत 'द फ्यूचर ऑफ़ बुक्स: रीइमैजिनिंग नैरेटिव्स', जिसमें मैइलिस वॉटेरिन, डेल्फ़ीन क्लो और जोसेलिन अज़ोरिन-लारा, स्वाती चोपड़ा के साथ संवाद करेंगे;

तमिलनाडु टेक्स्टबुक एंड एजुकेशनल सर्विसेज़ कॉरपोरेशन द्वारा प्रस्तुत 'इंडोलॉजी: शेड्स एंड लेयर्स ऑफ़ ए सिविलाइज़ेशन', जिसका परिचय नमिता गोखले देंगी, और जिसमें डॉ. आर. बालकृष्णन तथा सु वेंकटेशन, डॉ. टी. एस. सरवनन के साथ बातचीत करेंगे; तथा 'इमर्जिंग मार्केट्स फ़ॉर इंडियन पब्लिशिंग', जिसमें कनिष्क गुप्ता, रवि डीसी, जॉर्जिना गॉडविन और समीर पाटिल, एम्मा हाउस के साथ चर्चा करेंगे।

इसके अतिरिक्त, फ़ेस्टिवल डायरेक्टर्स राउंडटेबल में अंजनी रायपत, जीसस रूइज़ मंतिया, शुभा संजय उर्स, बिस्वदीप चक्रवर्ती और लाविनिया फ्रे, संजॉय के. रॉय के साथ संवाद करेंगे। जयपुर बुकमार्क 2026 का 13वाँ संस्करण मराठी साहित्य, अनुवाद, उभरते कथात्मक नवाचारों और प्रकाशन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बदलती भूमिका पर विशेष फोकस के साथ आयोजित किया जा रहा है, जिसमें रॉयल नॉर्वेजियन एम्बेसी कंट्री पार्टनर है। जयपुर बुकमार्क ब्रिटिश काउंसिल के साथ अपनी संयुक्त पहल इंडिया–यूके पब्लिशिंग फेलोशिप को भी आगे बढ़ा रहा है, जिसका उद्देश्य पेशेवर सहयोग को गहरा करना और स्वतंत्र प्रकाशकों के लिए वैश्विक अवसरों का विस्तार करना है। तमिलनाडु टेक्स्टबुक एंड एजुकेशनल सर्विसेज़ कॉरपोरेशन, सेज पब्लिकेशंस और महाराष्ट्र सरकार का मराठी भाषा विभाग जयपुर बुकमार्क के सत्र साझेदार हैं। पंजीकरण शुरु हो चुके हैं: प्रकाशन पेशेवरों, लेखकों और मीडिया प्रतिनिधियों को संवाद, नेटवर्किंग और सहयोग के इस प्रमुख मंच में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

# स्टेट जीएसटी प्रवर्तन शाखा ने एयरपोर्ट कार्गो से बड़ी कर चोरी पकड़ी, करोड़ों की सोना–हीरा ज्वैलरी जब्त

### -कोलकाता से जयपुर तक अंतरराज्यीय अवैध नेटवर्क उजागर, पेनल्टी वसूली की तैयारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य जीएसटी की प्रवर्तन शाखा ने जयपुर एयर पोर्ट पर एक महत्वपूर्ण कार्यवाही करते भारी संख्या में ज्वैलरी जवाहरात आदि जब्त किए है। विभाग की इस कार्यवाही से जयपुर के कई नामी ज्वैलर्स में हड़कंप मच गया। मुख्य आयुक्त कर विभाग कुमार पाल गौतम के निर्देश पर स्टेट जीएसटी की प्रवर्तन शाखा–। ने दिनांक 06 जनवरी को कार्यवाही करते हुए हवाई कार्गो के माध्यम से की जा रही करोड़ों रुपये की जीएसटी चोरी का बड़ा खुलासा किया है। प्रवर्तन दल को कोलकाता से जयपुर तक बिना वैध दस्तावेजों के बुलियन, नेचुरल डायमंड, सोना एवं हीरा ज्वैलरी के अवैध परिवहन और व्यापार की गोपनीय जानकारी प्राप्त हुई थी। इस सूचना की गंभीरता को देखते हुए विभाग की टीम ने कई दिनों तक लगातार निगरानी (रेकी) कर संपूर्ण अंतरराज्यीय नेटवर्क की गहन पड़ताल की और कार्रवाई की सटीक रणनीति तैयार की। रणनीति के तहत जैसे ही घरेलू हवाई अड्डे से कूरियर के माध्यम से सोना-हीरा ज्वैलरी से भरे पार्सल रवाना किए गए, प्रवर्तन दल ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्हें घेराबंदी कर बिना दस्तावेजों के मंगवाया गया माल जब्त कर लिया। विभाग द्वारा जब्त की गई ज्वैलरी का बाजार भाव से मूल्यांकन करवाया जा कर पेनल्टी राशि वसूल की जाएगी। उलेखनीय है कि इन दिनों विभाग के द्वारा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा अनुरूप कर चोरी के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति अपनाकर लगातार कार्यवाहियां कर भारी मात्रा में कर चोरी उजागर की गई है।

## आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

**बिजली फॉल्ट के लिए**

| | |
|---|---|
| टोल फ्री नंबर | 18001806507 |
| वॉट्सएप नंबर | 9414037085 |
| कस्टमर केयर | 2203000 |
| आईवीआरएस | 1912 |

**कचरा गाड़ी के लिए**

| | |
|---|---|
| ग्रेटर | 2747400 |
| सीवरेज लीकेज | 2607500 |
| हेरिटेज | 2607500 |
| टोल फ्री नंबर | 14420 |

**पुलिस की मदद के लिए**

| | |
|---|---|
| साइबर क्राइम | 1930/2360094 |
| कंट्रोल रूम | 2388435/36/37/38 |
| ट्रैफिक कंट्रोल रूम | 2565630 |
| चाइल्ड हेल्पलाइन | 1098 |
| महिला हेल्पलाइन | 1090 |
| मुख्यमंत्री पोर्टल | 181 |

**पानी के लिए**

| | |
|---|---|
| जलदाय कार्यालय | 2706624 |
| फायर ब्रिगेड | 2747400 |

**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**

| | |
|---|---|
| एंबुलेंस | 102/108 |
| एसएमएस इमरजेंसी | 2518333 |
| महिला चिकित्सालय | 22610616 |
| जनाना हॉस्पिटल | 22378721 |
| SDMH | 22574189 |
| SMS ब्लड बैंक | 22518222 |
| कल्याण ब्लड बैंक | 22721771 |

**घायल पशुओं के लिए**

| | |
|---|---|
| नगर निगम | 2747400 |
| बर्ड बाइक | 9887345580 |
| हेल्प इन सफरिंग | 8107299711 |
| जनमंच ट्रस्ट | 7230055800 |
| पशु चिकित्सालय | 2747400 |


## कार्यालय नगर पालिका, महवा (दौसा) राज.

EMAIL-nagarpalikamahwa@gmail.com फोन नं. 07461 284005

क्रमांक-नपाम/2025-26/2458 दिनांक-10/10/2025

**आपत्ति आमंत्रण सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है निम्न आवेदकों द्वारा नगर पालिका में 90ए/69ए के तहत भूमि नियमन एवं पट्टे चाहने हेतु कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है । यदि इस सूची में दर्ज सम्पत्ति पर किसी आम व खास को कोई उज्र/आपत्ति हो तो पालिका में 07 दिवस के अन्दर-अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें, बाद मियाद गुजरने पर किसी भी उज्र/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा और नियमानुसार उक्त कार्यवाही की जावेगी।

| क्र.सं. | आवेदक का नाम | राजस्व ग्राम | प्रयोजनार्थ | खसरा नं० | क्षेत्रफल |
|---|---|---|---|---|---|
| 01 | मंजू देवी पत्नी श्री पूरण मल अग्रवाल | महवा | आवासीय | 334 | 93.62 वर्गमीटर |

**अधिशाषी अधिकारी**
**नगर पालिका, महवा**

## कार्यालय नगर पालिका, महवा (दौसा) राज.

EMAIL-nagarpalikamahwa@gmail.com फोन नं. 07461 284005

क्रमांक-नपाम/2025-26/3336 दिनांक-24/12/2025

**आपत्ति आमंत्रण सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है निम्न आवेदकों द्वारा नगर पालिका में 90ए/69ए के तहत भूमि नियमन एवं पट्टे चाहने हेतु कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है । यदि इस सूची में दर्ज सम्पत्ति पर किसी आम व खास को कोई उज्र/आपत्ति हो तो पालिका में 07 दिवस के अन्दर-अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें, बाद मियाद गुजरने पर किसी भी उज्र/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा और नियमानुसार उक्त कार्यवाही की जावेगी।

| क्र.सं. | आवेदक का नाम | राजस्व ग्राम | प्रयोजनार्थ | खसरा नं० | क्षेत्रफल |
|---|---|---|---|---|---|
| 01 | भरतलाल मीना पुत्र श्री रामजीलाल मीना | रामगढ़ | आवासीय | 1130/14, 1139/25, 1131/14 | 167.22 वर्गमीटर |

**अधिशाषी अधिकारी**
**नगर पालिका, महवा**

# संतोषजनक प्रगति नहीं मिलने पर संभागीय आयुक्त ने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों पर जताई नाराजगी, लापरवाही पर कार्रवाई के निर्देश

## -संभागीय आयुक्त ने विकास कार्यों की समीक्षा कर दिए त्वरित क्रियान्वयन के निर्देश

**शब्बीर हुसैन**

बारां (रॉयल पत्रिका) । संभागीय आयुक्त अनिल कुमार अग्रवाल ने मंगलवार को मिनी सचिवालय सभागार में जिले में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य सरकार की बजट घोषणाओं एवं विभागीय योजनाओं से जुड़े विकास कार्यों को त्वरित गति से पूर्ण कराया जाए। साथ ही आगामी बजट के लिए भेजे गए प्रस्तावों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

संभागीय आयुक्त ने बैठक में विभागवार अधिकारियों से कार्यों की प्रगति रिपोर्ट ली और कार्यों की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की। सार्वजनिक निर्माण विभाग से संबंधित कार्यों पर संतोषजनक जानकारी प्रस्तुत न कर पाने पर उन्होंने विभाग के अधीक्षण अभियंता हुकुमचंद मीणा की कार्यप्रणाली पर नाराजगी व्यक्त की। साथ ही जिला कलक्टर को सड़क मरम्मत कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने और कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध चार्जशीट जारी करने के निर्देश भी प्रदान किए।

बैठक के दौरान उन्होंने मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशानिर्देश दिए तथा जिला कलक्टर द्वारा शुरू किए गए 'समन्वय संगम' ऐप की सराहना करते हुए कहा कि इससे विभागों के बीच समन्वय और आमजन के कार्यों के निस्तारण में गति आएगी। संभागीय आयुक्त ने सीएमएचओ से चिकित्सा योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट ली और पीएचसी व सीएचसी पर जांच सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। बैठक से पूर्व उन्होंने मिनी सचिवालय परिसर में दिव्यांगजन लाभार्थियों को स्कूटी वितरण भी किया। बैठक में एडीएम भंवरलाल जनागल, सीईओ राजवीर सिंह चौधरी, एडीएम शाहबाद जब्बर सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# जिला कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ बारां के जिलाध्यक्ष बने शाहिद इकबाल भाटी

बारां (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी (खेल प्रकोष्ठ) के प्रदेशाध्यक्ष अमीन पठान की अनुशंसा पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने शाहिद इकबाल भाटी को बारां जिला कांग्रेस कमेटी (खेल प्रकोष्ठ) का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नियुक्ति की घोषणा के साथ ही जिलेभर के खेल प्रेमियों, युवाओं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि नवनियुक्त जिलाध्यक्ष शाहिद भाटी के नेतृत्त्व में जिले के खिलाड़ियों की आवाज़ को संगठनात्मक मंच मिलेगा और प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए ठोस प्रयास किए जाएंगे। नवनियुक्त अध्यक्ष शाहिद इकबाल भाटी ने इस जिम्मेदारी को सम्मान और विश्वास का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह अवसर

उन्हें वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन और भरोसे से मिला है। उन्होंने विशेष रूप से प्रदेश कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ अध्यक्ष आमीन पठान, पूर्व मंत्री एवं अंता विधायक प्रमोद जैन भाया, जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया, बारां-अटरू के पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रामचरण मीणा, पूर्व विधायक करण सिंह राठौर, पूर्व विधायक निर्मला सहरिया, पूर्व जिला अध्यक्ष हाजी निजामुद्दीन खान छबड़ा, पूर्व चेयरमैन अंता मुस्तफा खान, जिला उपाध्यक्ष जाकिर मंसूरी, जिला उपाध्यक्ष अशरफ देशवाली, पूर्व उपसभापति हाजी अब्दुल गनी, कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के पूर्व जिलाध्यक्ष शाहिद कुंडी, पूर्व हज कमेटी चेयरमैन हाजी लियाकत अली मेव, डॉ. इजहार खान सीमा मांगरोल, पूर्व पार्षद अख़लाक़ अंसारी सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके विश्वास और सहयोग से ही जिले में खेल और खिलाड़ियों के हित में काम करने का अवसर प्राप्त हुआ है। प्रदेश अध्यक्ष आमीन पठान ने विश्वास जताया कि शाहिद इकबाल भाटी जिले में कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ को नई ऊर्जा देंगे, खिलाड़ियों की समस्याओं को संगठन और सरकार तक प्रभावी ढंग से पहुँचाएंगे तथा कांग्रेस की विचारधारा को खेल के माध्यम से जन-जन तक ले जाने का कार्य करेंगे।

# स्वयं सहायता समूह एस एच जी की महिलाओं की तीन दिवसीय गुणवत्ता नियंत्रण एवं गुणवत्ता आश्वासन प्रशिक्षण आयोजित

**मोहम्मद अली पठान**

राजगढ़ (रॉयल पत्रिका)। राजगढ़ ब्लॉक में स्वयं सहायता समूह (SHG) की महिलाओं के लिए तीन दिवसीय गुणवत्ता नियंत्रण एवं गुणवत्ता आश्वासन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण राइजिंग एंड एक्सीलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (RAMP) पहल के तहत 5 से 7 जनवरी 2026 तक चला। इसका आयोजन आयुक्त उद्योग, वाणिज्य एवं CSR विभाग द्वारा किया गया था। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य SHG की महिला सदस्यों को गुणवत्तापूर्ण मार्केटिंग, ब्रांडिंग और बाजार की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना था। इस कार्यक्रम में राजगढ़ ब्लॉक की कुल 30, SHG महिला सदस्यों ने भाग लिया। लोकपाल लालचंद ने एक दिन महिलाओं का मार्गदर्शन किया।

प्रतिभागियों को उत्पाद की पहचान बढ़ाने, बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए प्रभावी रणनीतियाँ तैयार करने और आय सृजन के नए अवसरों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, महिलाओं का आगामी व्यवसाय के लिए उद्यम पंजीकरण भी कराया गया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नियाज़ मोहम्मद गहलोत ने महिलाओं का सम्मान किया। एमएसएमई मित्र जगदीश प्रसाद प्रजापत और प्रशिक्षक आराधना शर्मा ओर रिहाना पठान ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। यह प्रशिक्षण SHG महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों की प्रभावी मार्केटिंग करने, बाजार में मजबूत पहचान स्थापित करने और आर्थिक आत्मनिर्भरता प्राप्त करने में सहायक होगा।

# कांग्रेस ने मंडावर और महवा में महवा में नए नगर अध्यक्षों की नियुक्ति की

## -महेश सैनी मंडावर और लाजपत सिंह तंवर महवा कांग्रेस नगर अध्यक्ष बने

**शफीक अली**

महवा (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के महवा में कांग्रेस पार्टी ने मंडावर और महवा में नए नगर अध्यक्षों की नियुक्ति की घोषणा की है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी अध्यक्ष हरसहाय यादव के निर्देशानुसार महेश सैनी को मंडावर नगर अध्यक्ष और लाजपत सिंह तंवर को महवा नगर अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नियुक्ति के बाद, दोनों नगर अध्यक्षों को अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय रहकर पार्टी को मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं। दोनों का नियुक्ति होने के बाद कार्यकर्ताओं ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया।

# नशे के खिलाफ मानव श्रृंखला और रैली का आयोजन

**विनोद सोखल**

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय (मल्टीपर्पज) श्रीगंगानगर के विद्यार्थियों ने "नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान" के अंतर्गत जिला कलक्टर डॉ. मंजू एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के नेतृत्व में नशे के खिलाफ मानव श्रृंखला, रैली का आयोजन किया गया। जागरूकता रैली, मानव श्रृंखला, और प्रेरणादायक वर्कशॉप में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के सह प्रभारी विक्रम ज्याणी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बदलाव है। यहां एक-दूसरे का हाथ थामकर बनाई गई मानव श्रृंखला यह संदेश दे रही है कि जब तक हम एक-दूसरे का साथ नहीं छोडेंगे, तब तक नशा हमारे समाज को तोड़ नहीं सकता है। इस दौरान नशे के मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और पारिवारिक दुष्परिणामों पर

गहराई से चर्चा करते हुए ज्याणी ने बताया कि गलत संगत और क्षणिक आकर्षण किस तरह पूरे जीवन को अंधेरे में धकेल देता है। वर्कशॉप के बाद मानव श्रृंखला, जन-जागरूकता रैली में विद्यार्थियों ने कसम ये खाएंगे, नशे को दूर भगाएंगे के नारे लगाए। अंत में सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और उपस्थितजनों ने एक स्वर में नशा मुक्त जीवन की शपथ ली। प्रिंसिपल जितेन्द्र कुमार असीजा ने कहा कि यह शपथ केवल औपचारिकता नहीं थी, बल्कि दिल में जिम्मेदारी के साथ लिया गया वादा है कि हम स्वयं नशे से दूर रहेंगे। दूसरों को भी जागरूक करेंगे। वाइस प्रिंसिपल श्रीमती राजेंद्र कौर ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई किसी एक व्यक्ति या संस्था की नहीं है, यह पूरे समाज की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों व विद्यालय स्टाफ कंचन, दीप भटनागर, गीता रानी, टीकम तिवारी, मोती माला, अलका रानी, मीनाक्षी, मलकीत, अंबिका, सविता, सुमित्रा, रुकू पिंजानी, पूनम मिड्ढा, योगेश्वर दत्त शर्मा ने भाग लिया। पुलिस कांस्टेबल प्रवीण कुमार ने साइबर सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों के लिए युवाओं को जागरूक किया।

# कुतकपुर की सड़क और नालियों की बदहाली ने खोली प्रशासन की पोल

## -20–25 साल से सड़क का मूल निर्माण नहीं, पेचवर्क सिर्फ कागज़ी साबित हुआ

**हनीस शेख कुतकपुर**

कुतकपुर (रॉयल पत्रिका)। ग्राम कुतकपुर की सड़क और दोनों ओर बनी नालियों की बदहाली ने प्रशासन की निष्क्रियता और पेचवर्क की पोल खोल दी है। ग्रामीणों का आरोप है कि लगभग 20–25 वर्षों से इस सड़क का कोई नया निर्माण नहीं हुआ, बावजूद इसके कुछ समय पहले पेचवर्क कर खानापूर्ति की गई। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे बन चुके हैं और नालियां पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर अमृत हो चुकी हैं। गड्ढों में ठेकेदार ने गिट्टी डालने के बजाय कच्ची मिट्टी भरी और ऊपर से डामर डाल दिया, जिससे सड़क

कुछ ही दिनों में फिर से उखड़ गई। वीडियो और फोटोग्राफ में साफ देखा जा सकता है कि सड़क की सतह पूरी तरह टूट चुकी है और नालियों की हालत भी बद से बदतर है। ग्रामीणों का कहना है कि नालियों का पानी सड़क पर फैलने से स्थिति और खराब हो रही है।

ग्रामीणों की मांग है कि इस सड़क और नालियों की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, दोषी ठेकेदार और अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए और सड़क का पुनर्निर्माण मानकों के अनुसार किया जाए। सवाल अब प्रशासन से है—क्या बड़े हादसे का इंतजार किया जा रहा है? क्या केवल कागज़ी रिपोर्ट से संतोष कर लिया जाएगा? ग्रामीण इस बार जल्द समाधान की उम्मीद कर रहे हैं, ताकि सड़क और नालियों की बदहाली यूं ही मिसाल न बनी रहे।

# कृषि मंत्री किरोड़ी मीणा ने मधुर भजनों पर किया नृत्य, ग्रामीणों से किया सीधा संवाद

थानागाजी (रॉयल पत्रिका)। थानागाजी के भाँगड़ोली गांव में चल रहे नौ दिवसीय यज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा कार्यक्रम में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी मीणा पहुंचे, ग्रामीणों के द्वारा कृषि मंत्री का ढोल नगाड़ा के साथ स्वागत किया गया, इस मौके पर डॉक्टर किरोड़ी मीणा ने संबोधित करते हुए बताया की समय-समय पर सामाजिक भावनाएं बनाए रखने के लिए धार्मिक कार्यक्रम अनुष्ठान यज्ञ करना जरूरी होता है। इसे आपसी भाईचारा बना रहता है, इस मौके पर करीब 1 घंटे तक रुके कार्यक्रम में कृषि मंत्री ने श्रीमद् भागवत कथा श्रवण के दौरान जो मधुर भजन चल रहे थे उनके ऊपर नृत्य किया, ग्रामीणों की समस्याएं सुनी, कार्यक्रम में भाजपा जिला पदाधिकारी भी मौजूद, इसके पश्चात डॉक्टर किरोड़ी मीणा जयपुर के लिए रवाना हो गए, जयपुर जाने से पूर्व थानागाजी में चक्रधारी एग्रोटेक गोपेश शर्मा पत्रकार की दुकान के आगे अपना वाहन रोककर थानागाजी में खाद बीज विक्रेताओं के बारे में चर्चा की एवं क्षेत्र में किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं हो इसकी जानकारी जुटाई, और आसपास किया कि थानागाजी में अगर किसी प्रकार की कोई भी समस्या आती है तो सीधा फोन घुमा कर सुचना कर देना बाकी का काम मेरा है, इसके बाद कृषि मंत्री जयपुर के लिए रवाना हो गए। इस मौके पर राजस्थान के कृषि एंव ग्रामीण विकास मंत्री डॉक्टर किरोडीलाल मीणा के थानागाजी आगमन पर भाजपा नेता रोहिताश घांघल के नैतृत्व मे गुढा स्टैंड पर भाजपा कार्यकर्ताओं एंव ग्रामीणो ने स्वागत किया इस मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष हरीशंकर खंडेलवाल, रामेश्वर मीणा सरपंच, प्रियंका शर्मा मंडल अध्यक्ष किशोरी, मुकेश शर्मा पूर्व मंडल अध्यक्ष, नानकराम मीणा, रामधन मीणा ठेकेदार, पूरण सैनी,राजू मीणा, कमल शर्मा, महेंद्र बोहरा, रमेश मीणा पूर्व सरपंच, श्रीकिशन मीणा, राजेश, गोपाल, राहुल सहित सैकडो महिला एंव पूर्व मौजूद रहे।

# कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनी कटने का मामला उजागर

**विनोद सोखल**

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। पीलीबंगा उपखंड के ग्राम पंचायत खोथांवाली के अधीन आने वाले कैंचिया में कृषि भूमि पर अवैध रूप से कॉलोनी काटे जाने का गंभीर मामला सामने आया है। नियमों को दरकिनार कर खेतों को प्लॉट में तब्दील किए जाने से न केवल राजस्व नियमों का उल्लंघन हो रहा है, बल्कि क्षेत्र में अव्यवस्थित विकास और भविष्य की मूलभूत सुविधाओं पर भी संकट खड़ा हो गया है। सूत्रों के अनुसार, कैंचिया क्षेत्र में कुछ भू-माफिया तत्वों द्वारा कृषि उपयोग की भूमि को बिना सक्षम अनुमति और बिना भूमि रूपांतरण (कन्वर्ज़न) कराए छोटे-छोटे प्लॉटों में काटकर बेचा जा रहा है। बताया जा रहा है कि इन प्लॉटों की बिक्री के लिए कच्चे रास्ते, अस्थायी खंभे और सीमांकन कर लोगों को लुभाया जा रहा है, जबकि नियमानुसार कॉलोनी विकसित करने के लिए नगर नियोजन, राजस्व विभाग और पंचायत स्तर से स्वीकृतियां अनिवार्य होती हैं।

**ग्रामीणों में रोष**

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि इस अवैध गतिविधि से क्षेत्र की कृषि भूमि तेजी से कम हो रही है। खेती पर निर्भर परिवारों की आजीविका प्रभावित होने की आशंका है। साथ ही, बिना नियोजन के बसाई जा रही कॉलोनियों में भविष्य में पानी, सड़क, नाली, बिजली, सीवरेज और सार्वजनिक सुविधाओं की भारी किल्लत हो सकती है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि प्लॉट खरीदने वाले लोगों को वास्तविक स्थिति की पूरी जानकारी नहीं दी जा रही, जिससे वे बाद में कानूनी पचड़ों में फंस सकते हैं।

**नियमों की खुली अवहेलना**

जानकारों के मुताबिक, राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम एवं नगर नियोजन नियमों के तहत कृषि भूमि पर कॉलोनी विकसित करने से पहले भूमि का विधिवत रूपांतरण, लेआउट स्वीकृति, सड़क चौड़ाई, खुली जगह, जल निकासी और अन्य मानकों का पालन जरूरी है। कैंचिया में चल रही गतिविधियों में इन मानकों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है।

**प्रशासन की भूमिका पर सवाल**

इस पूरे मामले में प्रशासनिक निगरानी और कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे अवैध कॉलोनी काटने वालों के हौसले बुलंद हैं। यदि समय रहते सख्ती नहीं बरती गई तो क्षेत्र में ऐसे अवैध निर्माण और तेजी से फैल सकते हैं।

**कार्रवाई की मांग**

ग्रामीणों व सामाजिक संगठनों ने जिला प्रशासन, उपखंड अधिकारी और संबंधित विभागों से मांग की है कि अवैध कॉलोनी काटने वालों के खिलाफ तत्काल जांच कर सख्त कार्रवाई की जाए। बिना अनुमति किए गए प्लॉटिंग कार्य को रोका जाए और स्थिति यथावत (स्टेटस-क्को) रखी जाए। आमजन को जागरूक किया जाए कि वे बिना वैध स्वीकृति वाले प्लॉट न खरीदें। फिलहाल, कैंचिया में कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनी का यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस पर कब और कैसी कार्रवाई करता है, ताकि नियमों का पालन सुनिश्चित हो और क्षेत्र का संतुलित विकास हो सके।

# चूरू में दिव्यांग की पेंशन 17 साल बाद बंद, चिकित्सकों की लापरवाही और प्रमाण पत्र में हेराफेरी का आरोप

**मोहम्मद अली पठान**

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर कितने दुर्भाग्य की बात है कि एक चिकित्सक ने 40 हजार रुपए वसूले, दूसरे ने आंख निकाल दी, तीसरे और चौथे डॉक्टर ने तो पीड़ित के दिव्यांगता प्रमाण पत्र में ही हेराफेरी कर दी। इस कारण 62 वर्षीय जाकिर पुत्र कासम काजी निवासी वार्ड नंबर 15 चूरू की 17 साल बाद पेंशन बंद कर दी गई है। यहां जाकिर काजी ने दुखी मन से बताया कि कोई अधिकारी सुनवाई ही नहीं कर रहा है, उल्टे हंसते हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2006 में दिवाली के दिन एक आंख में कुछ गिर गया था। जयपुर में डॉक्टर इंदु अरोड़ा से उपचार करवाया। वहां उस समय 40 हजार रुपए ले लिए। आंख ठीक नहीं हुई, इंदु अरोड़ा ने और रुपए मांगे तो वह चूरू के आंखों वाले अस्पताल में आया। यहां इंदु अरोड़ा की पर्चियां डॉ. माथुर को दिखाई। माथुर ने आरोड़ा से बात करके दवा नहीं दी, उस

आंख को ही निकाल दिया। वह रोकर रह गया, गरीब करता भी क्या कोई सुनवाई नहीं हुई। उसके बाद वर्ष 2008 में भाजपा नेता पंकज गुप्ता ने उसकी पेंशन शुरू करवाई। उस समय चिकित्सकों द्वारा प्रमाण पत्र में 40 प्रतिशत दिव्यांगता दर्शाई गई थी। चिकित्सा विभाग के उच्च अधिकारियों के दामन पर दाग अब चार माह पहले उसकी पेंशन बंद हो गई है। यहां आंखों वाले अस्पताल के डॉक्टर सुधीर और डॉक्टर सुनील ने 30 प्रतिशत दिव्यांगता ही लिखी है। उन्हें पिछला प्रमाण पत्र भी दिखा दिया फिर भी नहीं मान रहे हैं, उल्टे हंसते हैं। कहते हैं कि सरकार का आदेश है। यह बात चिकित्सा विभाग के उच्च अधिकारियों के दामन पर दाग लगाने वाली है। पीड़ित के साथ न्याय करें, दाग मिटाएं।

जिसने पेंशन शुरू करवाई थी वे वर्तमान में सत्ताधारी पार्टी भाजपा के चौथी बार प्रदेश कोषाध्यक्ष बने हैं सोचने वाली बात यह है कि सरकार ऐसा आदेश कैसे दे सकती है ।जिससे किसी दिव्यांग की पेंशन बंद हो जाए। यह सब पीड़ित को परेशान करके सरकार को बदनाम करने की कोशिश है। संबंधित उच्च अधिकारी मामले में स्वयं संज्ञान लेवें और पीड़ित को राहत पहुंचाएं। वैसे भी जिसने पेंशन शुरू करवाई थी वे वर्तमान में सत्ताधारी पार्टी के चौथी बार प्रदेश कोषाध्यक्ष बने हैं। उनसे फिर गुहार की जा रही है पेंशन शुरू करवा ही देंगे, चूरू प्रशासन पहले ही ये काम कर दे तो अच्छा रहे।

# खुला बंदी शिविर नरसिंहपुरा से एक और बंदी फरार, पुलिस ने गश्त के दौरान दबोचा

**विनोद सोखल**

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। श्रीगंगानगर जिले के खुला बंदी शिविर नरसिंहपुरा से एक और बंदी के फरार होने का मामला सामने आया है। हालांकि इस बार पुलिस की सतर्कता से बड़ी घटना टल गई। घमुड़वाली पुलिस थाना प्रभारी राजेन्द्र सिंह ने नियमित गश्त के दौरान संदिग्ध अवस्था में घूम रहे एक बंदी को पकड़ लिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि उक्त बंदी बिना अनुमति शिविर से बाहर निकला हुआ था और फरार होने की फिराक में था। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पुनः बंदी शिविर प्रशासन के हवाले कर दिया है। सूत्रों के अनुसार खुला बंदी शिविर नरसिंहपुरा में जेल प्रहरी और बंदियों के बीच मिलीभगत की आशंका जताई जा रही है। आरोप है कि कुछ बंदी जेल प्रहरी को मोटी रकम देकर रात के समय शिविर से बाहर अपने घर चले जाते हैं और सुबह वापस लौट आते हैं। इसी लापरवाही और भ्रष्ट व्यवस्था के चलते बंदियों के फरार होने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। घटना के बाद जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस द्वारा मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को दे दी गई है। संभावना जताई जा रही है कि पूरे प्रकरण की जांच कर संबंधित जेल प्रहरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सकती है। फिलहाल पुलिस और जेल प्रशासन दोनों ही मामले को दबाने के बजाय गंभीरता से लेने की बात कह रहे हैं, लेकिन लगातार हो रही घटनाएं व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर रही हैं।

# स्थानीय अवकाश घोषित

चूरू (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर की अधिसूचना के अनुसरण में जिला एवं सेशन न्यायाधीश सोनिका पुरोहित ने चूरू न्यायक्षेत्र के सभी न्यायालयों में कैलेंडर वर्ष — 2026 के लिए दो स्थानीय अवकाश घोषित किए हैं। आदेश के अनुसार बुधवार, 14 जनवरी, 2026 को मकर संक्रांति तथा गुरुवार, 02 अप्रैल, 2026 को सालासर मेले हनुमान जयंती के दिन अवकाश रहेगा।

# दरगाह बगड़ शरीफ में हजरत शाह अब्दुल अज़ीज़ रहमतुल्लाह अल्लेही का 46 वां उर्स मनाया जाएगा

बगड़/झुंझुनू (रॉयल पत्रिका)। दरगाह बगड़ शरीफ हजरत इज्जतुल्लाह शाहे में शाह अब्दुल अज़ीज़ रहमतुल्लाह अल्लेही का चार दिवसीय उर्स मुबारक 26 जनवरी से 29 जनवरी 2026 सोमवार, मंगलवार, बुधवार एवं जुम्मेरात तक रहेगा और दरगाह बगड़ के गद्दी नशीन पीर दीन मोहम्मद शाह ने बताया कि 26 तारीख को झंडे की रस्म के साथ उर्स की शुरुआत होगी और 29 तारीख को कुल की रस्म के साथ उर्स संपन्न होगा। चार दिन तक उर्स के मौके पर बाहर से आने वाले जायरीनों के रहने व खाने की व्यवस्था रहेगी

और मेला लगा रहेगा। जिसमें चादर फुल मालाओं और प्रसाद की दुकानें भी लगेगी। दरगाह में लंगर की व्यवस्था रहती है। और सर्दी को देखते हुए इंतजामात किए जाते हैं। जयपुर से प्रसिद्ध कव्वाल आते हैं कव्वालों की कव्वालियों से शमां बंदी रहती है। और जायरीनों का झुर-मुट लगा रहता है। दरगाह के शहजाद-ए-मोहम्मद अबरार शाह ने बताया कि चादरें चढ़ाई जाती है और दुआएं मांगी जाती है। आज चांद की 17 वीं मनाई गई। जो हर माह मनाई जाती है। आज ही के दिन आगे आने वाले उर्स का ऐलान होता है। 46 वां उर्स हजरत अब्दुल अज़ीज़ रहमतुल्लाह अल्लेही का चार दिवसीय उर्स मनाया जाएगा।

# पंचायत समिति सभागार में आमुखीकरण कार्यशाला का हुआ आयोजन

लक्ष्मणगढ़ (रॉयल पत्रिका)। केन्द्र सरकार द्वारा हाल ही जीरामजी योजना को लेकर लक्ष्मणगढ़ पंचायत समिति सभागार में आज विकास अधिकारी रोमा सहारण के नेतृत्व में एक दिवसीय आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। पंचायत समिति सभागार में आयोजित कार्यशाला के दौरान उपस्थित ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों को बताया गया कि केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में विकसित भारत जीरामजी के अंतर्गत पूर्व में नरेगा योजना में 100 दिवस के रोजगार को बढ़ाकर 125 किया गया है। कार्यशाला के दौरान

विकास अधिकारी रोमा सहारण ने विकसित जीरामजी योजना व अधिनियम के प्रचार-प्रसार के बैनर पोस्टर व पम्पलेट ग्राम विकास अधिकारियों को सौंपे ओर योजना के नवीन प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला के दौरान पंचायत समिति के लेखाधिकारी बलवीर ढुकिया, सहायक अभियंता विरेन्द्र चाहर, महेश कुमार व कमल कुमार सहित समस्त ग्रामपंचायतों के विकास अधिकारी मौजूद थे।

# अभिजीत सिंह ने संभाला जिला परिवहन अधिकारी का पदभार

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला परिवहन अधिकारी सवाई माधोपुर के लंबे समय से रिक्त चल रहे पद पर मंगलवार को जयपुर मुख्यालय पर पदस्थापित अभिजीत सिंह ने जिला परिवहन अधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया। आयुक्त परिवहन एवं सड़क सुरक्षा पुरुषोत्तम शर्मा ने सोमवार को इस संबंध में एक आदेश जारी कर अभिजीत सिंह को जिला परिवहन अधिकारी का पदभार संभालने के निर्देश दिए

थे।मिली जानकारी के अनुसार अभिजीत सिंह इससे पूर्व चित्तौड़ एवं राजसमंद में जिला परिवहन अधिकारी के रूप में अपनी सेवा दे चुके है।

# जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने राजीविका के कार्यों व योजनाओं की समीक्षा की, अधिकारियों को दिए निर्देश

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने जिला परिषद सभागार में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन राजीविका की गतिविधियों व विभागीय योजनाओं की समीक्षा कर अधिकारियों को समुचित दिशा — निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि राजीविका गतिविधियों को बढ़ावा मिले तथा ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा तथा सुविधा व संसाधनों का विस्तार हो। राजीविका महिलाएं सुदृढ़ व शिक्षित ग्रामीण समाज के विकास में आधारभूत कड़ी है, इसलिए बेहतरीन विभागीय समन्वय से ग्रामीण विकास को बढ़ावा दें। उन्होंने कहा कि राजीविका महिलाओं को डिजिटल मार्केटिंग का प्रशिक्षण समुचित ढंग से संचालित हो तथा नियमित मॉनीटरिंग व असेसमेंट किया जाए। उन्होंने कृषि सखी व पशु सखी आदि सखियों के कार्यों व गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कहा कि उनके द्वारा फील्ड में की जा रही कार्यों का एनालिसिस करें तथा कृषि सखी को कृषि पर्यवेक्षक व कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ

संयोजित कर कृषि विकास तथा पशु सखी के पशुधन सहायकों, पशु चिकित्सा अधिकारियों के साथ समन्वय से पशुधन विकास गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा कि विभाग स्तर पर राजीविका महिलाओं को ऋण के लिए लंबित फाइलों को शून्य करें तथा महिलाओं को प्रोत्साहित कर स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाएं। इसी के साथ नए एसएचजी निर्माण तथा उनकी पोर्टल पर अपडेशन, उद्यम रजिस्ट्रेशन, एफएसएसए आई रजिस्ट्रेशन सहित कार्य किए जाएं। जिला कलक्टर ने एसएचजी निर्माण, डिफंक्ट एसएचजी को रिवाइव करने, फंड वितरण, रिकॉन्सिलिएशन, बचत खाता खोले जाने, जेंडर पॉइंट पर्सन आईडेंटिफाई करने सहित राजीविका की गतिविधियों को लेकर चर्चा की और समुचित निर्देश दिए। उन्होंने विकास अधिकारियों को राजीविका के कार्यों व गतिविधियों की मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए। सीईओ श्वेता कोचर ने राजीविका व ग्रामीण विकास अधिकारियों के समन्वय से ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित करने के लेकर निर्देश दिए। राजीविका डीपीएम दुर्गा ढाका ने बैठक का संचालन करते हुए विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। इस दौरान सभी विकास अधिकारी व राजीविका के सभी बीपीएम मौजूद रहे।

# कांग्रेस कार्यालय में छात्र नेता पवन गुर्जर का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

**इकबाल शाह बनेड़ा**

बनेड़ा (रॉयल पत्रिका)। बुधवार को बनेड़ा कांग्रेस कार्यालय पर छात्र संघ प्रत्याशी पवन गुर्जर का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केक काटकर ओर माला व साफा बंधवाकर युवा नेता पवन गुर्जर का जन्मदिन मनाया गया। इस दौरान सांवरमल कुमावत, दिनेश गुर्जर, महादेव गाडरी, अमित शर्मा, रुद्र दास, विशाल, अनिल धाभाई, महावीर भड़ाना, युवराज माली, कमलेश माली, भागचंद कुमावत, रवि तेली, सागर साहू,

नारायण, आरिफ, राजू कांग्रेस के तमाम कार्यकर्ता युवा साथियों के द्वारा जन्मदिन की बधाइयां दी शुभकामनाएं दी।

# गिट्स में इनोवेशन, डिजाइन और एंटरप्रन्योरशिप आई डी इ बूट कैंप का आगाज

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्निकल स्टडीज, डबोक, उदयपुर में स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग, अखिल भारतीय शिक्षा परिषद - नई दिल्ली एवं शिक्षा मंत्रालय के मिनीस्ट्री ऑफ इनोवेशन सेल के संयुक्त तत्वाधान में इनोवेशन डिजाईन और एंटरप्रन्योशिप पर बूट केम्प-2026 फेज -3 का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम भारत के 6 राज्यों में 8 स्थानों पर एक साथ आयोजित किया जा रहा है। जिसमें राजस्थान में गिट्स को नोडल सेंटर के रूप में चुना गया हैं। यह बूटकेम्प दिनांक 7 – 9 जनवरी 2026 तक आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम का आन लाइन लोकार्पण एआईसीटीइ के वाइस चेयरमेन एंड चीफ़ इनोवेशन ऑफिसर डॉ. अभय जेरे द्वारा किया गया जिसमे मेम्बर सेक्रेटेरी प्रोफेसर श्यामारथ, एडवायसर - रेग्युलेशन ब्यूरो – डॉ. एन एच सिद्धालिंगा स्वामी, इनोवेशन डाइरेक्टर – योगेश ब्रह्मांकर एवं असिस्टेंट इनोवेशन डाइरेक्टर उपस्थित रहे | संस्थान निदेशक डॉ. एस.एम. प्रसन्ना कुमार ने बताया कि 03 दिन तक चलने वाले इस बूट केम्प में शिक्षा मंत्रालय ,इनोवेशन सेल बूट कैंप में विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और शिक्षकों को विद्यालयी शिक्षा में डिज़ाइन थिंकिंग, नवाचार और उद्यमिता को एकीकृत करने के लिए आवश्यक कौशल और मानसिकता से सुसज्जित करना है।यह चरण एआईसीटीइ और शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल द्वारा वाधवानी फाउंडेशन के सहयोग से संचालित बहु-चरणीय इनोवेशन, डिज़ाइन

और उद्यमिता बूटकैंप पहल का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित अनुसार विद्यालय स्तर पर नवाचार और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में सम्मलित पी एम श्री के सभी प्रिंसिपल एवं टीचर्स को वाधवानी फाउंडेशन के प्रमुख ट्रेनर मकरंद रमेश वेलेनकर एवं एच टी पाटिल द्वारा तकनिकी पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाएगा। तीन दिन तक चलने वाले इस कार्यक्रम का कोआर्डिनेशन इनोवेशन सेल एआईसीटीइ के रीजनल कोआर्डिनेटर आशिष त्रिपाठी द्वारा किया जायेगा। कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त जिला प्रोजेक्ट कोरडीनेटर ननिहाल सिंह चौहान एवं उदयपुर के अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी मुरलीधर चौबीसा द्वारा सम्बोधित किया गया।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. चिंतल पटेल के अनुसार इस कार्यक्रम में राजस्थान राज्य के विभिन्न विद्यालयों से लगभग 190 प्रिंसपल और टीचर्स भाग लें रहे हैं । इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को आवश्यक कौशल और मानसिकता से अवगत कराना है, ताकि वे वर्तमान के गतिशिल व्यवसायिक परिदृश्य में सफलता प्राप्त कर एक सफल भारत का निर्माण कर सके। पैनल एक्सपर्ट के रूप में आईटी कंपनी वेबानिक्स के सह संस्थापक वेद शुक्ला , नीमो लैब के फाउंडर एवंऔरइवेक्स डिजिटेक प्रा लिमिटेड के निदेशक कमलेश पालीवाल ने भाग लिया। इस बूट कैम्प के दौरान देशभर के विभिन्न शहरों के एन्टरप्रन्योर स्टार्टअप फाउण्डर्स, संकाय सदस्य एवं शिक्षक भी भाग लेंगे। एम् बी ए निदेशक डॉ. पी के जैन ने कहा कि इस बूट कैम्प में प्रतिभागी नवाचारो पर चर्चा करेंगे, जिससे विभिन्न स्कूलों के छात्रों को एक दुसरे से सीखने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर गिट्स के वित्त नियत्रंक बी.एल. जांगिड इस कार्यक्रम से छात्रों एवं शिक्षकों की रचनात्मकता को बढावा मिलेगा और वे वास्तविक दुनिया की समस्याओं के लिए नए समाधान खोजने के लिए प्रेरित होंगे। इस आयोजन की सफलता केवल गिट्स बल्कि पूरे राजस्थान के लिए गौरव की बात होगी। यह बूट केम्प देश को नई संभावनाओ से अवगत कराते हुए नई दिशा प्रदान करेगा।

# महिला पतंजलि योग समिति द्वारा पतंजलि योग समिति के स्थापना दिवस पर किया हवन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत स्वाभिमान एवं पतंजलि योग समिति के 32 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष में महिला पतंजलि योग समिति सवाई माधोपुर द्वारा यज्ञ हवन किया गया एवं योग और आयुर्वेद के बारे में उपस्थित महिलाओं को विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर गायत्री परिवार की बहनों के द्वारा विधि विधान से यज्ञ करवाया गया महिला पतंजलि योग समिति की जिला प्रभारी मंजू अग्रवाल द्वारा उपस्थित सभी महिलाओं का आभार प्रकट किया गया। इस अवसर महामंत्री

सोनम मित्तल, सोशल मीडिया प्रभारी सुनीता सिंगल, कार्यालय प्रभारी उमा गुप्ता, योग से जुड़ी हुई महिलाएं सरोज मित्तल, कमला गुप्ता, आशा शर्मा, नीतू शर्मा, ज्योति गुप्ता, कमला चंदेल, पूजा गुप्ता, कृष्णा शर्मा, कौशल्या आदि बहिनें उपस्थित रही।

# रेबीज(हड़किया) रोग के कारण, रोकथाम व बचाव पर एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

झुंझुनू (रॉयल पत्रिका)। पशु विज्ञान केंद्र, सिरियासर कला, झुंझुनू के द्वारा बुधवार को गाँव सारी में पशुपालको के लिए रेबीज/हडकीया रोग के कारण, रोकथाम व बचाव पर एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया । केंद्र के प्रभारी अधिकारी डॉ. जितेन्द्र बड़गुजर ने बताया कि रेबीज रोग एक वायरस जनित प्राणघातक संक्रामक तथा जुनोटिक रोग है जो पशुओं से मनुष्यों में व मनुष्यों से पशुओं में फैल सकता है जिसका टीकाकरण ही केवल एक मात्र उपचार है इसलिए पशुपालकों को अपने पालतू कुते, बिल्ली में टीकाकरण करवाने की सलाह दी। रेबीज के लक्षण प्रकट होना काटने वाले स्थान पर निर्भर करते हैं मस्तिष्क के जितना पास से कटेगा उतने ही जल्दी लक्षण प्रकट होंगे। अत्यधिक लार के टपकने, ज्यादा रम्भाने, पानी पीने से डरना इत्यादि लक्षणों के बारे में बताते हुए रेबीज से बचाव, सावधानियां तथा मनुष्यों व पशुओं में प्री बाइट व पोस्ट बाइट के टीकाकरण शेड्यूल के बारे में बताया। केंद्र के डॉ. उमेश कुमार ने कुतों में टीकाकरण कार्यक्रम के बारे में बताया तथा भाग लेने वाले सभी पशुपालकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

### सेवा, संघर्ष और संकल्प की मिसाल:

# जीवन संरक्षक वेलफेयर फाउंडेशन के माध्यम से समाज की सेवा कर रहीं रेणुका चौधरी

लछमनगढ (रॉयल पत्रिका)। लछमनगढ की रेणुका चौधरी आज समाज सेवा के क्षेत्र में एक जानी-पहचानी और सम्मानित पहचान बन चुकी हैं। उन्होंने अपने जीवन में आए अनेक संघर्षों को कभी अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया, बल्कि उन्हें समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझकर सेवा का मार्ग चुना। कठिन परिस्थितियों में भी उनका संकल्प कभी डगमगाया नहीं। रेणुका चौधरी "जीवन संरक्षक वेलफेयर फाउंडेशन" के माध्यम से निरंतर सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं। इस संस्था के जरिए वे गरीब और जरूरतमंद परिवारों की सहायता, बीमार व असहाय लोगों के इलाज में सहयोग, जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने

तथा समाज में जागरूकता फैलाने जैसे कार्य कर रही हैं। उनका मानना है कि समाज की वास्तविक प्रगति तभी संभव है जब अंतिम व्यक्ति तक मदद पहुँचे। जीवन संरक्षक वेलफेयर फाउंडेशन इसी उद्देश्य के साथ कार्य कर रहा है कि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति सहायता से वंचित न रहे और हर व्यक्ति को सम्मान के साथ जीने का अवसर मिले। महिला सशक्तिकरण रेणुका चौधरी के कार्यों का एक अहम हिस्सा है। वे महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने, आत्मविश्वास बढ़ाने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करती हैं। उनका स्पष्ट विचार है कि जब महिलाएँ मजबूत होती हैं, तो परिवार और समाज दोनों सशक्त होते हैं।

# मैनाराम गोदारा तीसरी बार बने व्यापार मंडल अध्यक्ष

### -बींझबायला मंडी में निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने पर व्यापारियों का जताया आभार

**विनोद सोखल**

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। बींझबायला मंडी व्यापार मंडल के चुनाव में मैनाराम गोदारा को लगातार तीसरी बार अध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर मंडी परिसर में व्यापारियों एवं मंडल सदस्यों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। अध्यक्ष चुने जाने के बाद मैनाराम गोदारा ने मंडी के समस्त व्यापारियों, आढ़तियों एवं सहयोगी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह पद उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। व्यापारियों ने जो विश्वास उन पर जताया है, उस पर वे खरा उतरने का हर संभव प्रयास करेंगे। गोदारा ने कहा कि अपने पिछले कार्यकाल के दौरान मंडी के विकास, व्यापारियों की समस्याओं के समाधान तथा प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने का प्रयास किया गया। आने वाले कार्यकाल में

भी मंडी में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार, व्यापारिक हितों की रक्षा और पारदर्शी कार्यप्रणाली को प्राथमिकता दी जाएगी। इस मौके पर व्यापार मंडल के वरिष्ठ सदस्यों ने मैनाराम गोदारा के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके अनुभव और कार्यशैली से मंडी को निरंतर लाभ मिला है। व्यापारियों ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में बींझबायला मंडी आगे भी प्रगति के नए आयाम स्थापित करेगी। कार्यक्रम के अंत में मंडी व्यापारियों ने मिठाइयाँ बांटकर खुशी जाहिर की और नवनिर्वाचित अध्यक्ष को शुभकामनाएँ दीं।

# स्वयं सहायता समूह एस एच जी की महिलाओं की तीन दिवसीय गुणवत्ता नियंत्रण एवं गुणवत्ता आश्वासन प्रशिक्षण आयोजित

**मोहम्मद अली पठान**

राजगढ़ (रॉयल पत्रिका)। राजगढ़ ब्लॉक में स्वयं सहायता समूह (SHG) की महिलाओं के लिए तीन दिवसीय गुणवत्ता नियंत्रण एवं गुणवत्ता आश्वासन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण राइजिंग एंड एक्सीलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (RAMP) पहल के तहत 5 से 7 जनवरी 2026 तक चला। इसका आयोजन आयुक्त उद्योग, वाणिज्य एवं CSR विभाग द्वारा किया गया था। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य SHG की महिला सदस्यों को गुणवत्तापूर्ण मार्केटिंग, ब्रांडिंग और बाजार की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना था। इस कार्यक्रम में राजगढ़ ब्लॉक की कुल 30, SHG महिला सदस्यों ने भाग लिया। लोकपाल लालचंद ने एक दिन महिलाओं का मार्गदर्शन किया।

प्रतिभागियों को उत्पाद की

पहचान बढ़ाने, बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए प्रभावी रणनीतियाँ तैयार करने और आय सृजन के नए अवसरों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, महिलाओं का आगामी व्यवसाय के लिए उद्यम पंजीकरण भी कराया गया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नियाज़ मोहम्मद गहलोत ने महिलाओं का सम्मान किया। एमएसएमई मित्र जगदीश प्रसाद प्रजापत और प्रशिक्षक आराधना शर्मा ओर रिहाना पठान ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। यह प्रशिक्षण SHG महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों की प्रभावी मार्केटिंग करने, बाजार में मजबूत पहचान स्थापित करने और आर्थिक आत्मनिर्भरता प्राप्त करने में सहायक होगा।

# मुस्लिम युवा फाउंडेशन का पांचवां स्थापना दिवस 14 जनवरी को मनाया जाएगा

**मोहम्मद यासीन**

पाली (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक सेवा, शिक्षा, स्वच्छता एवं भाईचारे के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय मुस्लिम युवा फाउंडेशन समिति का पांचवां स्थापना दिवस आगामी 14 जनवरी को पूरे गरिमामय एवं सेवा भाव के साथ मनाया जाएगा। स्थापना दिवस को केवल उत्सव तक सीमित न रखते हुए इसे समाज सुधार और जनकल्याण से जोड़ते हुए विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। फाउंडेशन के कैशियर मो. यासीन सबावत ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि समिति द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों, बाजार क्षेत्रों एवं आवासीय कॉलोनियों में डस्टबिन वितरण अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना एवं साफ-सुथरा पाली शहर बनाने में नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि स्थापना दिवस के अवसर पर शिक्षा एवं बाल कल्याण को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विद्यालयों में अध्ययनरत स्कूली बच्चों को मिठाई वितरण किया जाएगा, जिससे बच्चों में खुशहाली के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों की भावना विकसित हो। खालिद कादरी ने आगे बताया कि मुस्लिम समाज की ख़्वातीन के लिए एक दिवसीय दीनी तालीम कार्यक्रम का भी विशेष रूप से आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में इस्लामी शिक्षाओं, नैतिक मूल्यों, पारिवारिक जिम्मेदारियों एवं सामाजिक जागरूकता पर प्रकाश डाला जाएगा। यह आयोजन महिलाओं को धार्मिक ज्ञान के साथ समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगा। फाउंडेशन के अध्यक्ष जनाब मेहराज अली चूड़ीघर स्थापना दिवस की समस्त तैयारियों की स्वयं निगरानी कर रहे हैं और वे पूरी टीम के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने में ज़ोर-शोर से जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि मुस्लिम युवा फाउंडेशन समिति का उद्देश्य हमेशा से समाज के हर वर्ग को साथ लेकर सेवा, सहयोग और सद्भावना के कार्य करना रहा है, और भविष्य में भी यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने यह भी बताया कि स्थापना दिवस समारोह में प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, बुद्धिजीवी वर्ग एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी शामिल होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाएंगे। मुस्लिम युवा फाउंडेशन समिति ने शहरवासियों से अपील की है कि वे इस आयोजन में भाग लेकर स्वच्छता, शिक्षा, धार्मिक जागरूकता और सामाजिक एकता के इस संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने में सहयोग करें आदि फाउंडेशन सदस्य तैयारी में लगे हुए हैं सत्तार भाटी, इस्माईल गौरी, अबुबकर चूड़ीघर, गोश मोहम्मद, हाफिज तहसीन रज़ा, गुड् रामपुर, मोहसिन सिंधी, सद्दाकत अंसारी, मकबूल चूड़ीघर, फिरोज सामरिया, अंसार अली, हुसैन अजमेरी, सद्दाम सिलावट सभी लोगों के सहयोग से किया जाएगा।

# नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर तंत्र की जिला स्तरीय स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित

**विनोद सोखल**

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर तंत्र की जिला स्तरीय स्टैंडिंग कमेटी की बैठक बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाहॉल में आयोजित की गई। बैठक में अब तक की गई कार्यवाहियों की समीक्षा की गई। अतिरिक्त जिला कलक्टर श्रीमती रीना ने निर्देश दिए कि जिले में प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री एवं मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण हेतु संबंधित विभाग एवं एजेंसियां आपसी समन्वय से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने औषधि नियंत्रक अधिकारियों को मेडिकल स्टोर्स की नियमित जांच करने तथा प्रतिबंधित दवाओं की अवैध बिक्री करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई पर बल दिया। बैठक में नशे में प्रयुक्त होने वाली दवाओं की उपलब्धता एवं स्टॉक की नियमित रूप से जांच को लेकर चर्चा हुई। मेडिकल दवाओं के रिकॉर्ड की आकस्मिक जांच कर अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही औषधि नियंत्रक विभाग को निर्देशित किया कि जिले के समस्त खुदरा विक्रेताओं द्वारा एनडीपीएस दवाओं की बिक्री केवल वैध पर्ची पर ही की जाए तथा पर्ची पर मोहर लगाना अनिवार्य किया जाए। सभी मेडिकल स्टोर्स को पोर्टल के माध्यम से ही दवाओं की बिक्री के लिए पाबंद किया जाए। शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि विद्यालयों में विद्यार्थियों के नियमित बैग चेक किए जाएं तथा बच्चों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति निरंतर जागरूक किया जाए। उन्होंने नशा मुक्ति केंद्रों, मेडिकल स्टोर्स एवं अन्य संबंधित संस्थाओं के रिकॉर्ड के समुचित संधारण एवं नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश भी दिए। बैठक में सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला, औषधि नियंत्रक अशोक मित्तल, सामाजिक अधिकारिता विभाग से वीरेन्द्र पाल, सन्नी कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

# शीतलहर को देखते हुए स्कूलों में अवकाश अब 10 जनवरी तक

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने आदेश जारी कर शीत लहर को देखते हुए जिले के राजकीय और गैर राजकीय विद्यालयों में अध्यनरत प्री प्राइमरी से 8 वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए 10 जनवरी, 2026 तक अवकाश घोषित किया है। जिला कलक्टर ने सभी शिक्षा अधिकारियों को समुचित निर्देश दिए हैं। सीडीईओ संतोष महर्षि ने बताया कि पूर्व में कक्षा 06 से 08 तक के लिए 07 जनवरी, 2026 तक ही अवकाश घोषित किया गया था। अब अवकाश को बढ़ाते हुए 10 जनवरी, 2026 तक किया गया है। उन्होंने बताया कि इस दौरान सभी शिक्षक नियमित रूप से उपस्थित रहेंगे तथा परीक्षाएं यथावत संचालित होंगी। उन्होंने बताया कि निर्देशों की अवहेलना करने पर आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

## मुंबई के प्रदूषण से
# हिना खान
## की सेहत पर पड़ा बुरा असर

**बिगड़ती हवा के कारण मुझे सांस लेने में मुश्किल हो रही है**

भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई हमेशा अपने तेज रफ्तार जीवन और चमक-दमक के लिए जानी जाती है। हाल के वर्षों में मुंबई में हवा की गुणवत्ता लगातार गिरती जा रही है और लोगों के लिए दिन-प्रतिदिन की जिंदगी मुश्किल बनती जा रही है। प्रदूषण ने ना सिर्फ आम लोगों की सेहत पर असर डाला है, बल्कि सेलिब्रिटी भी इससे अछूते नहीं हैं। टीवी की लोकप्रिय अभिनेत्री हिना खान ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि वह बढ़ते प्रदूषण की समस्या से परेशान हैं और इससे उनके स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है। हिना खान ने कहा, ''मुंबई की बिगड़ती हवा के कारण मुझे सांस लेने में मुश्किल हो रही है। प्रदूषण की वजह से लगातार खांसी है और यह सेहत पर बुरा असर डाल रहा है। ब्रेस्ट कैंसर से जूझने के कारण यह मेरे लिए और भी चुनौतीपूर्ण है।'' हिना खान ने कहा, ''प्रदूषित हवा की वजह से मेरा बाहर निकलना और शारीरिक तौर पर कोई काम करना भी सीमित हो गया है। यह मेरे दैनिक जीवन की सामान्य गतिविधियों पर भी असर डाल रहा है।'' अपने अनुभव को और स्पष्ट करने के लिए हिना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर मुंबई के एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) का स्क्रीनशॉट साझा किया। इस स्क्रीनशॉट में शहर का एक्यूआई 209 दर्ज किया गया, जो बताता है कि हवा की गुणवत्ता 'खराब' स्तर पर है। हिना ने कैप्शन में लिखा, ''क्या हो रहा है? सांस नहीं ले पा रही हूं। बाहर जाना कम कर दिया है। लगातार खांसी हो रही है। सुबह से ही हालत बहुत खराब है।'' इससे पहले हिना खान ने अभिनेत्री सोहा अली खान के पॉडकास्ट 'ऑल अबाउट हर' में अपने कैंसर से जूझने की चुनौतीपूर्ण यात्रा के बारे में भी खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया कि उनका इलाज कठिन रहा और इस दौरान उन्हें अच्छे और बुरे दोनों दिन देखने को मिले। हिना ने कहा कि उन्होंने हर तीन हफ्ते में कीमोथेरेपी ली, और कीमो के पहले हफ्ते में उन्हें बहुत दर्द होता था। लेकिन बाकी के दो हफ्ते, वह सामान्य जीवन जीने की कोशिश करती थीं और अपने परिवार और प्रियजनों के साथ वक्त बिताती थीं। हिना ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, ''देखने का नजरिया बहुत महत्वपूर्ण है। लोग जैसे ही किसी गंभीर बीमारी का पता लगाते हैं, सोचते हैं कि उनकी जिंदगी खत्म हो गई।

## को-एक्टर्स से दोस्ती हो या न हो, अभिनय पर नहीं पड़ना चाहिए असर
# डायना पेंटी

इंडस्ट्री में कलाकारों को न सिर्फ अपने किरदार में ढलना पड़ता है, बल्कि निजी रिश्तों और भावनाओं से ऊपर उठकर काम करना भी सीखना होता है। एक अच्छा अभिनेता वही माना जाता है जो अपने सह-कलाकारों के साथ निजी समीकरण चाहे जैसे भी हों, कैमरे के सामने पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ किरदार निभा सके। इसी सोच को लेकर अभिनेत्री डायना पेंटी ने कहा अपनी नई स्ट्रीमिंग सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' के प्रमोशन के दौरान उन्होंने अभिनय, प्रोफेशनलिज्म और को-एक्टर्स के साथ काम करने के अनुभव पर विस्तार से बताया ''एक अच्छे अभिनेता के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह निजी रिश्तों को अपने काम पर हावी न होने दे। चाहे आप किसी सह-कलाकार के साथ अच्छे दोस्त हों या नहीं, स्क्रीन पर जो दिखता है, वह पूरी तरह से किरदार की मांग पर आधारित होना चाहिए, न कि व्यक्तिगत संबंधों पर।'' डायना ने कहा, 'डू यू वाना पार्टनर' में मेरी सह-कलाकार तमन्ना भाटिया हैं, और उनके साथ काम करने का अनुभव काफी अच्छा रहा। हम दोनों के बीच सेट पर अच्छी बॉन्डिंग बनी, लेकिन मेरा मानना है कि एक अभिनेता की असली परीक्षा यही होती है कि वह निजी रिश्तों से अलग रहकर अपने किरदार को कितनी सच्चाई से निभा पाता है। अभिनय की गुणवत्ता इस बात से तय होती है कि कलाकार अपने निजी अनुभवों और भावनाओं को कितनी समझदारी से अलग रख पाता है। 'डायना ने कहा, ''इस शो के मामले में मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं, क्योंकि तमन्ना के साथ मेरी दोस्ती स्वाभाविक रूप से बन गई थी। सेट पर माहौल काफी सहज और सकारात्मक था, जिससे काम करना और भी आसान हो गया। जब आपका रिश्ता ऑफ-स्क्रीन मजबूत होता है, तो वही मजबूती ऑन-स्क्रीन भी नजर आने लगती है।

## प्रभास की 'द राजा साब' कब होगी रिलीज? कितना है फिल्म का रन टाइम

प्रभास की साल 2026 में 'द राजा साब' को लेकर फैंस में जबरदस्त एक्साइटमेंट हैं और हर कोई इस मच अवेटेड फिल्म के बड़े पर्दे पर रिलीज होने का इंतजार कर रहा है। प्रभास की 'द राजा साब' कब सिनेमाघरों में दस्तक देगी? साथ ही ये भी जानेंगे कि इसका रन टाइम कितना है और इसे सीबीएफसी से क्या सर्टिफिकेशन मिला है? 'द राजा साहब' एक पैन इंडिया फिल्म है ये मलयालम, कन्नड़ और हिंदी भाषाओं में भी सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। ये फिल्म थलपति विजय की 'जना नायकन' के साथ क्लैश करेगी। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर मेकर्स ने जन नायकन से सीधे टकराव से बचने के लिए, फिल्म की तमिल रिलीज़ को एक दिन आगे बढ़ाने का फैसला किया है, लेकिन बाकी फिल्में अपने निर्धारित समय पर ही रिलीज़ होंगी. 'द राजा साहब' 9 जनवरी, 2026 को संक्रांति के त्योहार के मौके पर दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए तैयार है।

## जावेद जाफरी की फिल्म मायासभा 30 जनवरी को होगी रिलीज

जावेद जाफरी की फिल्म मायासभा 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में वह मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। राही अनिल बर्वे के निर्देशन में बनी इस फिल्म में मोह मद समद, वीणा जामकर और दीपक दामले भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। सिनेमाघरों में रिलीज होने से पहले इस फिल्म की स्क्रीनिंग तीसरे एशियन फिल्म फेस्टिवल में की जाएगी। निर्देशक बर्वे ने कहा कि फिल्म को लेकर अब तक मिली प्रतिक्रिया काफी उत्साहजनक रही है। उन्होंने एक बयान में कहा, तीसरे एशियन फिल्म फेस्टिवल और पीआईएफएफ जैसे महोत्सव मायासभा जैसी फिल्म के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करेंगे। 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज के साथ, हम इस फिल्म को अधिक से अधिक लोगों तक ले जाने के लिए उत्साहित हैं।

## अर्चना पूरन सिंह के परिवार के लिए मोटी कमाई का जरिया बना यूट्यूब
### एक्टिंग छोड़ बने 'यूट्यूबर'

अर्चना पूरन सिंह एक ऐसा नाम जो सुनते ही लोगों के चेहरे पर मुस्कान आ जाता है. वो सिर्फ एक एक्ट्रेस ही नहीं बल्कि इंडस्ट्री की लाफ्टर क्वीन हैं। कॉमेडी की जान और खुलकर जिंदगी जीने की मिसाल हैं। फिल्मों से लेकर टीवी तक उनका सफर किसी रोलर कोस्टर राइड से कम नहीं रहा। लेकिन, असली पहचान मिली उस ठहाके से जो सालों से कॉमेडी शो की पहचान है। लेकिन, इन दिनों अर्चना अपनी एक्टिंग नहीं बल्कि यूट्यूब की वजह से चर्चा में हैं। जैसा कि सब जानते हैं कि पिछले कई सालों से अर्चना ने एक्टिंग और फिल्मों से दूरी बना रखी है। लेकिन, इसी बीच अपने व्लॉग्स को लेकर खूब सुर्खियों में रहती हैं। ऐसे में फैंस के बीच उनके और उनके परिवार के बारे में जानने की उत्सुकता और भी ज्यादा बढ़ चुकी है। देखते ही देखते उनका चैनल हिट हो गया।

## राहु केतु का ट्रेलर रिलीज बड़े पर्दे पर अब मचेगा कॉस्मिक कॉमेडी का बवाल

ज़ी स्टूडियोज़ और ब्लाइव प्रोडक्शन्स के बैनर तले बनी फिल्म राहु केतु का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर रिलीज़ हो चुका है और आते ही इसने साफ कर दिया है कि दर्शकों को मिलने वाला है एक ऐसा पागलपन भरा सफर, जहां पौराणिक कथाएं टकराएंगी आज के हंगामे से और हंसी के पीछे छुपा होगा एक बड़ा कॉस्मिक मैसेज। चुटीले ह्यूमर, शार्प राइटिंग और दमदार परफॉर्मेंस से भरा यह ट्रेलर एक ऐसी फिल्म का वादा करता है, जो जितनी एंटरटेनिंग है, उतनी ही सोचने पर मजबूर करने वाली भी। ट्रेलर की शुरुआत होती है पियूष मिश्रा की प्रभावशाली आवाज़ से, जो अपनी खास कहानी कहने की शैली में राहु और केतु के पौराणिक महत्व से दर्शकों को रूबरू कराते हैं। उनकी आवाज़ लोककथाओं की जड़ों में कहानी को मजबूती से बांधती है और एक ऐसी दुनिया की नींव रखती है, जहां प्राचीन मान्यताएं टकराती हैं आज के मॉडर्न कन्फ्यूज़न से। फिल्म की कमान संभालते हैं पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा, जिनकी कॉमिक टाइमिंग और आपसी केमिस्ट्री ट्रेलर में ही दिल जीत लेती है। पुलकित अपने किरदार में चार्म, चालाकी और अनिश्चितता लेकर आते हैं, जो शॉर्टकट और महत्वाकांक्षा से चलने वाला है। वहीं वरुण शर्मा एक बार फिर साबित करते हैं कि सिचुएशनल कॉमेडी उनका मजबूत हथियार है, जहां उनका फिज़िकल ह्यूमर और ऑब्ज़र्वेशनल कॉमिक सेंस खूब रंग जमाता है।

# कंगना रनौत
## की लम्बे अरसे के बाद फिल्मों में वापसी

### 'भारत भाग्य विधाता' की शूटिंग शुरू

बॉलीवुड अभिनेत्री और मंडी से सांसद कंगना रनौत लंबे समय से फिल्मों से दूर रहकर राजनीति में सक्रिय नजर आ रही थीं। शीतकालीन सत्र के दौरान उन्होंने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखे हमले किए थे, लेकिन अब कंगना ने एक बार फिर फिल्मी दुनिया में वापसी कर ली है। अभिनेत्री काफी समय बाद फिल्म के सेट पर लौटी हैं और अपनी नई फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की शूटिंग शुरू कर दी है। कंगना रनौत ने शूटिंग के दौरान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है, जिसमें वह निर्देशक मनोज तापड़िया के साथ नजर आ रही हैं। वीडियो में कंगना सेट पर मौजूद टीम के सदस्यों से बातचीत करती दिख रही हैं, वहीं मनोज तापड़िया उन्हें फिल्म के सीन समझाते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो शेयर करते हुए अभिनेत्री ने लिखा, 'फिल्म के सेट पर वापसी कर अच्छा लग रहा है।' फिल्म 'इमरजेंसी' के बाद कंगना लंबे समय बाद किसी नई फिल्म की शूटिंग कर रही हैं। 'भारत भाग्य विधाता' की घोषणा 'इमरजेंसी' की रिलीज के साथ ही कर दी गई थी, लेकिन लगभग एक साल बाद अब इसकी शूटिंग शुरू हो पाई है। इस फिल्म का निर्माण यूनोइया फिल्म्स की बबीता आशिवाल और एलोटिंग रॉक्स एंटरटेनमेंट के आदि शर्मा मिलकर कर रहे हैं। वहीं, फिल्म का निर्देशन मनोज तापड़िया कर रहे हैं, जिन्होंने इससे पहले 'मद्रास कैफे', 'चीनी कम', 'एनएच10' और वेब सीरीज 'माई' जैसी चर्चित परियोजनाओं का निर्देशन किया है। भारत भाग्य विधाता' एक देशभक्ति फिल्म बताई जा रही है, जिसमें उन गुमनाम नायकों की कहानियों को पर्दे पर उतारा जाएगा, जिनके योगदान से देश का भविष्य बना, लेकिन जिनके बारे में आम तौर पर कम जानकारी है। फिल्म की कहानी वीरता, साहस और राष्ट्रभक्ति की भावना से भरपूर होगी। हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। उल्लेखनीय है कि कंगना रनौत की आखिरी रिलीज फिल्म 'इमरजेंसी' बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी। फिल्म की रिलीज पर कुछ समय के लिए बैन भी लगाया गया था, लेकिन आवश्यक बदलावों के बाद इसे रिलीज की अनुमति मिल गई थी। 'इमरजेंसी' का निर्माण और निर्देशन खुद कंगना ने किया था, जिसमें उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई थी। करीब 60 करोड़ रुपए के बजट में बनी इस फिल्म ने भारत में लगभग 20 करोड़ रुपए का ही कलेक्शन किया था और यह अपने बजट का आधा भी नहीं निकाल पाई थी।

(साभार एजेंसी)

# हॉकी लीग के जरिये फिर खुद को साबित करना चाहते हैं 'पोस्टर ब्वॉय' रहे हरजीत सिंह

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** जूनियर विश्व कप 2016 जीतने के बाद ट्रॉफी के साथ सोते हुए कप्तान हरजीत सिंह की तस्वीरें जब वायरल हुई तो उन्हें भारतीय हॉकी का अगला 'सुपरस्टार' कहा जाने लगा लेकिन फिर अचानक उनका नेपथ्य में चले जाना हॉकीप्रेमियों के लिये ही नही, ख़ुद उनके लिये भी हैरानी का सबब रहा। हॉकी इंडिया लीग में जेएसडब्ल्यू सूरमा के लिए खेल रहे हरजीत ने मीडिया से खास बातचीत में कहा, 'हर खिलाड़ी का सपना होता है कि जूनियर के बाद सीनियर टीम से जुड़े और ओलंपिक खेले। लेकिन अचानक जो कुछ हुआ, मुझे समझ ही नहीं आया कि क्या करूं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ 2018 में आखिरी बार भारत के लिए खेलने वाले हरजीत की कप्तानी में भारतीय जूनियर टीम ने लखनऊ में 2016 विश्व कप में अपराजित रहकर पंद्रह साल बाद खिताब जीता था। हर अखबार में और सोशल मीडिया पर हरजीत की ट्रॉफी के साथ सोते हुए तस्वीर सुर्खियों में थी। उनकी कामयाबी पर पंजाबी में 'हरजीता' फिल्म भी बनी। हरजीत 2016 में लंदन में चैम्पियंस ट्रॉफी में रजत पदक जीतने वाली सीनियर टीम और 2015 जूनियर एशिया कप स्वर्ण जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे।

जूनियर विश्व कप 2016 की टीम से भारत के मौजूदा कप्तान हरमनप्रीत सिंह, फॉरवर्ड मनदीप सिंह, गोलकीपर कृशन पाठक जैसे कई खिलाड़ी निकले जो सीनियर स्तर पर कामयाब रहे। हरजीत ने कहा, 'मेरे साथ के सभी खिलाड़ी आज अच्छा खेल रहे हैं और मुझे भी कसक महसूस होती है। 29 वर्ष के इस मिडफील्डर को बखूबी पता है कि राष्ट्रीय टीम में वापसी की राह अब मुश्किल है लेकिन अपने प्रदर्शन के दम पर वह यह साबित करना चाहते हैं कि उन्हें बाहर करने का फैसला गलत था।

भारत के लिए करीब 50 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके इस खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे आज तक यह सवाल चुभता है कि 2019 में राष्ट्रीय शिविर में वापसी के बाद दो ढाई साल तक सीनियर टीम के साथ रहने के बाद मुझे बाहर क्यों किया गया। मैने कइयों से पूछा लेकिन किसी ने जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा, 'हॉकी इंडिया लीग में अच्छे प्रदर्शन से राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का दावा मजबूत कर सकते हैं लेकिन मुझे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके दिखाना है कि मुझे बाहर करने का फैसला गलत था ।मुझसे आखिर क्या ऐसी गलती हुई थी जिसकी इतनी बड़ी सजा मिली।

# अनाहत सिंह ब्रिटिश जूनियर ओपन स्क्वाश के फाइनल में पहुंची

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी अनाहत सिंह ने सेमीफाइनल में मिस्र की मलिका अल कराक्सी को आसानी से पराजित करके प्रतिष्ठित ब्रिटिश जूनियर ओपन स्क्वाश में महिला एकल के अंडर-19 वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया। अब तक 12 पीएसए टूर खिताब जीतने वाली 17 वर्षीय खिलाड़ी अनाहत ने बर्मिंघम विश्वविद्यालय में मलिका पर सिर्फ 28 मिनट में 11-8, 11-7, 11-9 से जीत हासिल की। फाइनल में अनाहत का सामना यूरोपीय जूनियर चैंपियन और दूसरी वरीयता प्राप्त फ्रांस की लॉरेन बाल्टायन से होगा। अनाहत ब्रिटिश जूनियर ओपन में सभी आयु वर्गों में नौवीं बार फाइनल में पहुंची है और उनका लक्ष्य 2005 में जोशना चिनप्पा के बाद इस प्रतियोगिता में अंडर19 खिताब जीतने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी बनना है। इस बीच लड़कों के अंडर-17 वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी आर्यवीर दीवान सेमीफाइनल में मिस्र के फिलोपेटर सालेह से 9-11, 5-11, 7-11 से हार गए।

# नोवाक जोकोविच एडिलेड इंटरनेशनल से हटे

- 24 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन ने बताई वजह

**एडिलेड (एजेंसी)।** नोवाक जोकोविच ने अगले हफ्ते होने वाले एडिलेड इंटरनेशनल से अपना नाम वापस ले लिया है उन्होंने फिटनेस की चिंताओं का हवाला दिया है क्योंकि वह ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी जारी रखे हुए हैं। एडिलेड में फैंस को संबोधित एक इंस्टाग्राम स्टोरी में 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने कहा कि वह एटीपी 250 इवेंट में शारीरिक रूप से प्रतिस्पर्धा करने के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हैं, और इस फैसले को 'व्यक्तिगत रूप से बहुत निराशाजनक' बताया।

जोकोविच ने कहा कि एडिलेड उनके लिए खास महत्व रखता है, क्योंकि उन्होंने 2 साल पहले वहां खिताब जीता था और कहा कि शहर में वापस आकर सच में घर पर खेलने जैसा महसूस हुआ। हालांकि सर्बियाई खिलाड़ी ने कहा कि उनकी तत्काल प्राथमिकता सीजन के पहले ग्रैंड स्लैम के लिए तैयार होना है।

उन्होंने कहा, मेरा ध्यान अब ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी पर है और मैं जल्द ही मेलबर्न पहुंचने और ऑस्ट्रेलिया में सभी टेनिस फैंस से मिलने का इंतजार कर रहा हूं। 38 वर्षीय खिलाड़ी ने 12 जनवरी से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट का इस्तेमाल मेलबर्न पार्क में सीजन के पहले ग्रैंड स्लैम की तैयारी के तौर पर करने का इरादा किया था, जहां उनका लक्ष्य रिकॉर्ड 11वां ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब और अपना 25वां मेजर चैंपियनशिप जीतना है।

# टी20 वर्ल्ड कप में कौन होगा भारत का एक्स फैक्टर?

## एबी डिविलियर्स की लिस्ट में बुमराह-अभिषेक नहीं

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज और पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने आगामी टी20 विश्व कप को लेकर टीम इंडिया को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि इस टूर्नामेंट में हार्दिक पांड्या भारत के सबसे अहम और निर्णायक खिलाड़ी साबित हो सकते हैं, न कि जसप्रीत बुमराह या अभिषेक शर्मा।

**टीम इंडिया की गहराई ने किया प्रभावित** - अपने यूट्यूब चैनल 'एबी डिविलियर्स 360' पर टी20 विश्व कप की भारतीय टीम का विश्लेषण करते हुए डिविलियर्स ने कहा कि भारतीय टीम के पास बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में शानदार संतुलन है। उन्होंने कहा, इस टीम में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो बल्ले और गेंद दोनों से योगदान दे सकते हैं, जिससे कप्तान को टीम कॉम्बिनेशन में काफी लचीलापन मिलता है। डिविलियर्स ने ओपनिंग संयोजन पर भी बात की और अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन का जिक्र किया। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि ऋषभ पंत, शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और जितेश शर्मा जैसे खिलाड़ी इस बार टीम में जगह नहीं बना पाए।

**हार्दिक क्यों हैं गेम चेंजर** - एबी डिविलियर्स ने हार्दिक पांड्या को टीम इंडिया का निर्णायक खिलाड़ी बताते हुए कहा, हार्दिक वह खिलाड़ी हैं जो बल्ले और गेंद, दोनों से मैच जिता सकते हैं। वह किसी भी परिस्थिति में गेंदबाजी कर सकते हैं और बल्लेबाजी क्रम में कहीं भी फिट हो जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जब हार्दिक बल्लेबाजी के लिए आते हैं तो विपक्षी टीम पर मानसिक दबाव साफ दिखता है। उन्होंने कहा, जब हार्दिक क्रीज पर आते हैं, तो विरोधी टीम को लगता है कि अगर वह तीन-चार ओवर भी टिक गए, तो मैच हाथ से निकल सकता है।

### गेंद से भी उतना ही खतरनाक असर

डिविलियर्स ने यह भी कहा कि हार्दिक गेंद के साथ भी उतने ही प्रभावी हैं। उन्होंने कहा, जब वह गेंदबाजी के लिए आते हैं, तो ऐसा लगता है कि उनके पास गोल्डन आर्म है और वह कभी भी साझेदारी तोड़ सकते हैं। हार्दिक पांड्या का हालिया प्रदर्शन भी उनके इस बयान को मजबूती देता है। विजय हजारे ट्रॉफी में उन्होंने 133 रनों की तूफानी पारी खेलते हुए अपना पहला लिस्ट-ए शतक लगाया, जिसमें 11 छक्के शामिल थे।इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में उन्होंने तीन पारियों में 142 रन बनाए, वो भी 186 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से।

### सिराज बदकिस्मती का शिकार हुए

डिविलियर्स ने यह भी कहा है कि मोहम्मद सिराज उन खिलाड़ियों में शामिल हैं, जो बदकिस्मती से टीम में जगह नहीं बना सके। डिविलियर्स ने हालांकि यह भी साफ किया कि गेंदबाजी के लिहाज से भारत की टीम में सभी पहलुओं को कवर किया गया है। डिविलियर्स ने कहा, %हम सिराज को वनडे टीम में देखते हैं, वह उन खिलाड़ियों में से हैं जो दुर्भाग्यशाली रहे, लेकिन यह सब टीम के संतुलन पर निर्भर करता है।

### डिविलियर्स ने भारतीय गेंदबाजों की तारीफ की

डिविलियर्स ने कहा आपके पास बुमराह और अर्शदीप हैं, वहीं हर्षित राणा बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। इसी वजह से हर्षित को चुना गया, क्योंकि सिराज एक शुद्ध गेंदबाज हैं और टीम सीम गेंदबाजी पर ज्यादा फोकस नहीं करना चाहती। उन्होंने कहा, इस टीम का मुख्य फोकस स्पिन पर है। कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती हाल के टी20 मैचों में शानदार रहे हैं।

# डी कॉक और बेयरस्टो की तूफानी पारियां

- सनराइजर्स की सेंचुरियन में रिकॉर्ड जीत

**प्रिटोरिया (एजेंसी)।** एस-20 सीजन 4 रिकॉर्ड्स का सीजन बनता जा रहा है और सेंचुरियन में सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने प्रिटोरिया कैपिटल्स के खिलाफ पहली ऐतिहासिक जीत दर्ज कर इसका ताजा उदाहरण पेश किया। सनराइजर्स ने कैपिटल्स के 176/7 के स्कोर को बिना कोई विकेट गंवाए पार कर लिया, जो ट्ट20 इतिहास में उनका सबसे बड़ा सफल रन-चेज है। इस शानदार जीत के साथ ट्रिस्टन स्टब्स की टीम 17 अंकों के साथ अंकतालिका में फिर से शीर्ष पर पहुँच गई।

ओपनर्स क्विंटन डी कॉक (नाबाद 79 रन, 41 गेंद, 5 चौके, 6 छक्के) और जॉनी बेयरस्टो (नाबाद 85 रन, 44 गेंद, 8 चौके, 6 छक्के) ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाते हुए कैपिटल्स के गेंदबाज़ों को चारों ओर बिखेर दिया। डी कॉक ने पावरप्ले में लुंगी एनगिडी की गेंदों पर कवर के ऊपर लगातार दो छक्के जड़ते हुए आक्रमण की नींव रखी। इसके बाद उन्होंने

लिज़ाड विलियम्स को भी नहीं बख्शा और सनराइजर्स को मज़बूत स्थिति में पहुंचा दिया।

शुरुआत में बेयरस्टो ने डी कॉक को खुलकर खेलने दिया लेकिन जैसे ही स्पिनर केशव महाराज गेंदबाजी पर आए, उन्होंने गियर बदल दिया। पूर्व इंग्लैंड विश्व कप विजेता बेयरस्टो ने महाराज के एक ही ओवर में पांच छक्के और एक चौका लगाकर 34 रन बटोर लिए, जो अब बेटवे एसए20 इतिहास का सबसे महँगा ओवर बन गया है। प्लेयर ऑफ द मैच के लिए क्विंटन डी कॉक, कॉनर एस्टरह्यूज़न, एनरिच नॉटर्जे और शरफेन रदरफोर्ड दावेदार थे, जिसमें डी कॉक को फैन वोट का 91.2 प्रतिशत समर्थन मिला। इससे पहले, सनराइजर्स ने सधी हुई गेंदबाज़ी और बेहतरीन फील्डिंग के दम पर कैपिटल्स को औसत से कम स्कोर पर रोक दिया था। हालांकि नए ओपनर कॉनर एस्टरह्यूजन (52 रन, 33 गेंद, 6 चौके, 2 छक्के) और मध्यक्रम के विस्फोटक बल्लेबाज शरफेन रदरफोर्ड (नाबाद 47 रन, 22 गेंद, 3 चौके, 4 छक्के) ने पारी को संभाला, लेकिन सनराइजर्स ने पूरे समय मुकाबले पर अपनी पकड़ बनाए रखी।

एनरिख नॉर्खिये ने अपने पुराने घरेलू मैदान पर 150 किमी/घंटा से अधिक की रफ्तार से गेंदबाज़ी करते हुए 3/32 के आंकड़े दर्ज किए, जबकि लुईस ग्रेगरी ने बेहद किफायती गेंदबाज़ी करते हुए चार ओवर में 1/18 रन दिए। एडम मिल्ने ने अंतिम से पहले ओवर में 22 रन खाने के बावजूद 2/36 के आंकड़े हासिल किए, जिसमें कैपिटल्स के नए वेस्टइंडीज़ी स्टार आंद्रे रसेल का अहम विकेट भी शामिल था। मैच का आकर्षण क्विंटन डी कॉक का शानदार एक हाथ से लिया गया डाइविंग कैच रहा, जिसने इस मुकाबले में सनराइजर्स के वर्चस्व को पूरी तरह स्थापित कर दिया।

# श्रेयस अय्यर ने फिटनेस साबित की

## विजय हजारे ट्रॉफी में फिफ्टी लगाई, सिराज ने 3 विकेट झटके, मयंक अग्रवाल का शतक

### सूर्यकुमार यादव 24 रन बनाकर आउट

**जयपुर (एजेंसी)।** भारतीय टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर (82 रन) ने विजय हजारे ट्रॉफी में हाफ सेंचुरी जमाकर अपनी फिटनेस साबित कर दी है। वे जयपुर में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ मुंबई की कप्तानी कर रहे हैं। अय्यर को न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम इंडिया में चुना गया है, हालांकि वे उनका खेलना फिटनेस साबित करने पर निर्भर है।

अय्यर के अलावा, सूर्यकुमार यादव 24 रन, मुशीर खान 73 रन बनाकर आउट हुए। इस मैच में यशस्वी जायसवाल 15 और सरफराज खान 21 रन बनाए। मुंबई ने 33 ओवर में 299 रन बनाए। वहीं, गोवा के खिलाफ 212 रन चेज कर रही पंजाब के ओपनर प्रभसिमरन सिंह 2 और भारतीय कप्तान शुभमन गिल 11 रन बनाकर आउट हुए। 16 ओवर के बाद टीम का स्कोर 65/3 है।

इधर, अहमदाबाद में कर्नाटक ने राजस्थान के खिलाफ 50 ओवर में 7 विकेट पर 324 रन बनाए। कप्तान मयंक अग्रवाल 100 रन बनाकर आउट हुए। देवदत्त पडिक्कल (91 रन) महज 9 रन से सेंचुरी

चूक गए हैं। वे लगातार तीन सीजन में 300 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले बैटर बने।

**ओडिशा 100 पर सिमटा, गुजरात ने 233 रन से हराया** - गुजरात ने ओडिशा को 233 रन के बड़े अंतर से हराया। बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस-111 मैदान पर ओडिशा ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी।गुजरात ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 333 रन बनाए। जवाब में ओडिशा की टीम 28.1 ओवर में 100 रन पर ऑलआउट हो गई। सीजी गाजा ने 6 विकेट झटके।

### किसने किसे हराया?

- बेंगलुरु में दिल्ली ने रेलवे को 6 विकेट से हराया।
- अहमदाबाद में केरल ने पुडुचेरी को 8 विकेट से हराया।
- बेंगलुरु में गुजरात ने ओडिशा को 233 रन से हराया।
- प्लेट ग्रुप फाइनल में मणिपुर 169 पर ऑलआउट, शाबिर की हैट्रिक

रांची में चल रहे प्लेट ग्रुप के फाइनल में मणिपुर की टीम 47.5 ओवर में 169 रन पर ऑलआउट हो गई है। बिहार के शाबिर खान ने हैट्रिक सहित 7 विकेट झटके। उन्होंने 8 ओवर की गेंदबाजी में 30 रन दिए।

### डोप टेस्ट में फेल हुए पूर्व आरसीबी तेज गेंदबाज राजन, घरेलू क्रिकेट खेलने पर भी लगी रोक

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय घरेलू क्रिकेट एक बार फिर डोपिंग विवाद से हिल गया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी के पूर्व तेज गेंदबाज राजन कुमार को प्रतिबंधित पदार्थों के सेवन का दोषी पाए जाने के बाद नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। 29 वर्षीय यह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज उत्तराखंड के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं।

**किन प्रतिबंधित दवाओं में फंसे रजत कुमार** - एक रिपोर्ट के मुताबिक, राजन कुमार के डोप सैंपल में तीन प्रतिबंधित पदार्थ पाए गए-ड्रोस्टानोलोन, मेटेनोलोन (दोनों एनाबॉलिक स्टेरॉयड) और क्लोमीफीन, जिसका इस्तेमाल टेस्टोस्टेरोन स्तर को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। नियमों के तहत रिपोर्ट आते ही नाडा ने उन पर तुरंत अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया।

# पूर्व केंद्रीय मंत्री कलमाड़ी का 81 की उम्र में निधन

- कॉमनवेल्थ गेम्स में भ्रष्टाचार को लेकर विवाद, जेल भी जाना पड़ा

**पुणे (एजेंसी)।** पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुरेश कलमाड़ी का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे 81 साल के थे। कलमाड़ी को पुणे के दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने मंगलवार सुबह करीब 3:30 बजे अंतिम सांस ली। कलमाड़ी के आधिकारिक कार्यालय के मुताबिक उनका पार्थिव शरीर दोपहर 2 बजे तक कलमाड़ी हाउस एरंडवणे में रखा जाएगा। अंतिम संस्कार दोपहर 3.30 बजे वैकुंठ श्मशान पुणे में होगा।पूर्व केंद्रीय मंत्री कलमाड़ी की यह तस्वीर 2022 की है। जब वे पुणे कार्पोरेशन ऑफिस में विजिट पर गए थे। सुरेश शामराव कलमाड़ी का जन्म 1 मई 1944 को हुआ था। कलमाड़ी पुणे लोकसभा सीट से 3 बार सांसद चुने गए। राजनीति के साथ-साथ वे खेल प्रशासन के लिए भी जाने जाते रहे। भारतीय ओलिंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष थे। 2010 में दिल्ली में हुए ग्लोबल इवेंट कॉमनवेल्थ गेम्स की आयोजन समिति के चेयरमैन भी थे। कलमाड़ी ने रेल राज्य मंत्री के रूप में भी काम किया था।

**कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाले में नाम, 15 साल चला केस** - कलमाड़ी कॉमनवेल्थ गेम्स भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण विवादों में भी घिरे रहे। सीडब्ल्यूजी कॉन्ट्रैक्ट्स को लेकर 15 साल तक केस चला।

# एनाबेल सदरलैंड ने दीप्ति शर्मा से छीना नंबर-1 का ताज, कप्तान हरमनप्रीत को भी हुआ फायदा

**दुबई (एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड ने आईसीसी की ताजा टी-20 बॉलिंग रैंकिंग में नंबर-1 स्थान दोबारा से हासिल कर लिया है।

भारत की श्रीलंका महिला टीम के खिलाफ आखिरी टी20आई मैच में 15 रन से मिली जीत के बाद एनाबेल सदरलैंड को आईसीसी रैंकिंग में फायदा हुआ। वहीं, दीप्ति शर्मा एक स्थान का नुकसान झेलकर दूसरे पायदान पर खिसक गई हैं। ऐसे में जानते हैं आईसीसी की ताजा टी20आई रैंकिंग में क्या-क्या बदलाव हुआ?

**एनाबेल सदरलैंड नंबर-1 गेंदबाज बनीं** - दरअसल, आईसीसी महिला टी20आई बॉलिंग रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड 736 रेटिंग के साथ टॉप पर पहुंच गई हैं। दूसरे पायदान पर भारतीय टीम की बॉलर दीप्ति शर्मा 735 रेटिंग के साथ खिसक गई। पाकिस्तान की सदिया इकबाल 732 रेटिंग के साथ तीसरे पायदान, इंग्लैंड की सोफी एक्लिस्टन 727 रेटिंग के साथ मौजूद है। इंग्लैंड की लॉरेन बेल 714 रेटिंग के साथ पांचवें पायदान पर विराजमान है। ताजा रैंकिंग में भारत की रेणुका सिंह ठाकुर को पांच स्थानों का नुकसान झेलना पड़ा है। रेणुका 698 रेटिंग के साथ 11वें पायदान पर लुढ़क गई हैं, जबकि राधा यादव को भी दो स्थानों का

नुकसान झेलना पड़ा और वह 18वें स्थान पर पहुंच गई।

**कप्तान हरमनप्रीत कौर को फायदा** - भारत बनाम श्रीलंका महिला टीम के बीच 30 दिसंबर 2025 को खेले गए आखिरी टी20आई मैच में तीन बल्लेबाजों ने अर्धशतक जड़ा। अब आईसीसी की टी20आई रैंकिंग में भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने दो स्थानों की छलांग के साथ 13वां पायदान (634) हासिल कर लिया है। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 43 गेंदों का सामना करते हुए 68 रन की पारी खेली, जिसका उन्हें फायदा मिला। इस पारी के दम पर भारतीय टीम 7 विकेट खोकर 175 रन का स्कोर बना सकी। श्रीलंकाई महिला क्रिकेट टीम की ओपनर हसिनी परेरा ने 42 गेंद पर 65 रन की पारी खेली और चमारी अट्टापट्टू के जल्दी विकेट गिरने के बाद टीम की पारी को संभाला। इमेश दुलानी ने 39 गेंद पर 50 रन की पारी खेली। परेरा इस पारी की मदद से आईसीसी बॉलिंग टी20आई रैंकिंग में 31 स्थानों की छलांग लगाई और वह 40वें पायदान पर 490 रेटिंग के साथ पहुंच गए, जबकि दुलानी, जिन्होंने अभी तक 6 टी20आई मैच खेले, वह 77 स्थान की छलांग के साथ टॉप 100 की लिस्ट में पहुंच गए।

# दिल्ली में आधी रात कार्रवाई पर हिंसा:

## -अतिक्रमण हटाने गई पुलिस-MCD टीम पर पत्थरबाजी

नई दिल्ली। दिल्ली के तुर्कमान गेट इलाके में 6 जनवरी की देर रात नगर निगम दिल्ली (MCD) और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के दौरान गंभीर हिंसा भड़क उठी। रामलीला मैदान के पास मस्जिद और कब्रिस्तान से सटी जमीन पर बने अवैध ढांचों को हटाने के लिए टीम करीब 1 बजे पहुंची थी। जैसे ही बुलडोजरों ने निर्माण गिराना शुरू किया, वहां जमा भीड़ ने कर्मचारियों और सुरक्षा बलों पर पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। बैरिकेडिंग तोड़कर लोग कार्रवाई स्थल तक पहुंच गए, जिसके बाद पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। इस घटना में कई पुलिसकर्मी और 4-5 अधिकारी घायल हुए, जबकि सरकारी वाहनों को भी नुकसान पहुंचा। एमसीडी ने दिल्ली हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच के निर्देशों के आधार पर अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू किया था। कार्रवाई में 17 बुलडोजर लगाए गए, जिन्होंने बारात घर, डायग्नोस्टिक सेंटर, अस्थायी दुकानें, पार्किंग क्षेत्र और एक निजी क्लिनिक को ढहा दिया। नगर निगम का कहना है कि संबंधित पक्षों से कई बार मालिकाना हक या वैध कब्जे के दस्तावेज मांगे गए, लेकिन कोई ठोस कागजात पेश नहीं किए गए। इसलिए कोर्ट के आदेश का पालन करना प्रशासन की मजबूरी थी। घटना के बाद सेंट्रल रेंज के जॉइंट कमिश्नर

ऑफ पुलिस मधुर वर्मा ने बताया कि हालात अब कंट्रोल में हैं। पूरे इलाके को सुरक्षा की दृष्टि से 9 जोन में बांटा गया है और हर जोन की जिम्मेदारी ADCP स्तर के अधिकारी को सौंपी गई है। संवेदनशील स्थानों पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस पत्थरबाजों की पहचान वीडियो फुटेज के जरिए करेगी और दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। डीसीपी निधिन वलसन ने भी स्पष्ट किया कि यह अभियान पूरी तरह न्यायालय के आदेश पर आधारित है और अभी भी चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगा।

**क्या है पूरा मामला-**

दरअसल फैज-ए-इलाही मस्जिद की प्रबंधन समिति ने 22 दिसंबर 2025 को जारी एमसीडी के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। आदेश में कहा गया था कि मस्जिद के बाहर की 0.195 एकड़ (करीब 0.195 एकड़) जमीन पर बने ढांचे अवैध हैं और उन्हें हटाया जाएगा। नगर निगम के मुताबिक यह भूमि मूल रूप से रामलीला ग्राउंड का हिस्सा है, जिस पर वर्षों से धीरे-धीरे कब्जा कर व्यावसायिक गतिविधियां शुरू कर दी गई थीं। कोर्ट ने लगभग 38,940 वर्ग फुट क्षेत्र से सड़क, फुटपाथ, बारात घर और निजी क्लिनिक सहित सभी अतिक्रमण साफ करने को कहा था। मस्जिद समिति का दावा है कि यह जमीन वक्फ संपत्ति है और वह इसके लिए वक्फ बोर्ड को लीज किराया भी देती रही है। समिति ने कहा कि उसे सामान्य अतिक्रमण हटाने पर ऐतराज नहीं था, क्योंकि बारात घर और डायग्नोस्टिक सेंटर का संचालन पहले ही बंद किया जा चुका है। असली विवाद कब्रिस्तान को लेकर है, जिसे धार्मिक और मानवीय भावनाओं से जुड़ा विषय बताया गया। समिति का तर्क है कि कब्रिस्तान की जमीन ऐतिहासिक है और उसे बिना वैकल्पिक व्यवस्था के हटाना उचित नहीं होगा।

**6 जनवरी को ही कोर्ट में सुनवाई-**

6 जनवरी को जस्टिस अमित बंसल की अदालत ने इस याचिका पर नोटिस जारी कर एमसीडी, शहरी विकास मंत्रालय, दिल्ली विकास प्राधिकरण और दिल्ली वक्फ बोर्ड समेत अन्य विभागों से जवाब मांगा था। कोर्ट ने माना कि मामला सुनवाई योग्य है और सभी पक्षों को चार हफ्ते में अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया। अगली सुनवाई 22 अप्रैल तय की गई है। लेकिन उसी दिन रात में प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तेज कर दी, जिससे स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और यह हिंसा सामने आई।

**व्यवस्था की चुनौती-**

यह घटना केवल एक स्थानीय टकराव नहीं, बल्कि राजधानी की नगर-योजना और जमीन प्रबंधन की जटिल हकीकत को उजागर करती है। दिल्ली के पुराने शहर में धार्मिक स्थलों के आसपास व्यावसायिक निर्माण, पार्किंग और निजी संस्थानों का फैलाव लंबे समय से विवाद का कारण बनता रहा है। एक ओर अदालत सार्वजनिक भूमि को मुक्त कराने की बात करती है, दूसरी ओर वक्फ और अन्य एजेंसियों के दावों से कानूनी उलझन पैदा हो जाती है। इन विरोधाभासी अधिकारों के बीच आम नागरिक पिसता है और कई बार भीड़ की शक्ल में गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ता है। प्रशासन के लिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह है कि कोर्ट के आदेशों का अमल मानवीय संवेदनाओं का ख्याल रखते हुए हो।

# 'किसी बाहरी ताकत के कंट्रोल में नहीं वेनेजुएला', ट्रंप की वॉर्निंग के बीच भड़कीं अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के बाद लैटिन अमेरिकी क्षेत्र में सियासी भूचाल आ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुला दावा किया कि वेनेजुएला को अब वह खुद चला रहे हैं और अंतरिम सरकार ने यदि उनका सहयोग नहीं किया तो अमेरिका कार्रवाई के दूसरे दौर से भी पीछे नहीं हटेगा। ट्रंप के इन बयानों को काराकस में सीधी चुनौती के रूप में देखा गया, जिससे वेनेजुएला की नई सत्ता व्यवस्था में तीखा गुस्सा फैल गया। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी संप्रभुता, विदेशी दखल और सैन्य बल प्रयोग को लेकर तेज बहस छिड़ गई है। वेनेजुएला का नेतृत्व लगातार यह दोहरा रहा है कि देश के अंदरूनी मामलों पर किसी बाहरी ताकत का कंट्रोल मंजूर नहीं किया जाएगा।

कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वेनेजुएला शांति का देश है और किसी भी विदेशी शक्ति के अधीन नहीं है। उन्होंने मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस की तुरंत वापसी की मांग की, जो फिलहाल अमेरिकी हिरासत में बताए जा रहे हैं। रोड्रिग्ज का कहना था कि "यह कोई युद्ध नहीं, बल्कि हम पर थोपा गया हमला है।" उन्होंने जोर देकर कहा कि वेनेजुएला की सरकार अपने फैसले खुद लेने में पूरी तरह सक्षम है और वह कूटनीतिक रास्ते से समाधान चाहती हैं, न कि टकराव से। उनके बयान को ट्रंप के दावों का सख्त जवाब माना गया।

मादुरो की गिरफ्तारी के तरीके और अमेरिकी सैन्य ऑपरेशन ने संप्रभुता के सवाल को सबसे बड़ा मुद्दा बना दिया है। वेनेजुएला सरकार ने काराकस में हुए कथित अमेरिकी हमले में मारे गए लोगों के सम्मान में सात दिनों का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है। क्यूबा सरकार ने भी कहा कि इस ऑपरेशन में उसके 32 नागरिकों की मौत हुई, जिसके बाद हवाना में दो दिनों का शोक घोषित किया गया। वेनेजुएला ने अभी तक कुल मृतकों और घायलों का आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं किया है, लेकिन कहा गया है कि एक विशेष कमिशन इन आंकड़ों की जांच करेगा। सरकार समर्थक संगठनों ने अलग-अलग शहरों में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित कर इसे "शहादत दिवस" के रूप में पेश किया।

एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार इस सैन्य कार्रवाई में बड़ी संख्या में सुरक्षा अधिकारी और आम नागरिक हताहत हुए। वेनेजुएला के अटॉर्नी जनरल तारेक विलियम सबा ने इसे संभावित युद्ध अपराध करार देते हुए स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि दर्जनों अधिकारियों की मौत हुई है और क्यूबा ने अपने 32 सैन्य व पुलिस अधिकारियों की जान जाने की पुष्टि की है। अमेरिका की ओर से शामिल लगभग 200 सैनिकों में छह के जख्मी होने की बात सामने आई, जिनमें दो गंभीर घायल बताए गए, जबकि चार ड्यूटी पर लौट चुके हैं। सबा ने अंतरराष्ट्रीय अदालतों से संज्ञान लेने का आग्रह किया है।

# राजस्थान-एमपी सहित 8 राज्यों में शदीद ठंड

## -पारा 5° से नीचे, पहाड़ों की बर्फ से बदला मौसम का मिज़ाज

नई दिल्ली। पहाड़ों पर लगातार हो रही बर्फबारी और मैदानी इलाकों की तरफ चल रही बर्फीली सर्द हवाओं ने पूरे मुल्क में ठंड का असर तेज कर दिया है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश समेत आठ राज्यों में तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे पहुंच गया है। मौसम के इस बदले मिज़ाज ने आम ज़िंदगी को काफी मुश्किल में डाल दिया है। जयपुर, भोपाल, लखनऊ, देहरादून जैसे बड़े शहरों में घना कोहरा छाया हुआ है और विजिबिलिटी कई जगह लगभग शून्य हो गई है। राजस्थान के शेखावाटी अंचल, चूरू, सीकर, भीलवाड़ा और करौली जिलों में रात का पारा 2 से 4 डिग्री के बीच दर्ज किया गया। सर्दी से बचाव के लिए प्रशासन ने 8वीं तक के स्कूल बंद कर दिए हैं और कई जगहों पर स्कूलों का टाइम बदलकर सुबह देर से किया गया है। जयपुर एयरपोर्ट पर कोहरे के कारण आठ से ज्यादा फ्लाइट्स देरी से चलीं। सड़कों पर ट्रैफिक रेंगता नजर आया और लोग दिन में भी गाड़ियों की हेडलाइट जलाकर चलने को मजबूर हुए। मध्य प्रदेश में जनवरी की ठंड ने पिछले दस साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। राजधानी भोपाल में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 3.8 डिग्री रहा, जो एक दशक में सबसे कम है। छिंदवाड़ा में 2 डिग्री, गुना, दमोह और मुरैना में ओस जमने की तस्वीरें सामने आईं। खेतों में पत्तों पर बर्फ की परत जैसी ओस दिखाई दी, जिससे रबी की फसल पर असर पड़ने का अंदेशा बढ़ गया है। किसान सिंचाई और धुआं जलाकर फसलों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में घने कोहरे ने हवाई और रेल यातायात की रफ्तार बिगाड़ दी है। करीब बीस फ्लाइट्स और सौ से ज्यादा ट्रेनें लेट चल रही हैं। लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज और वाराणसी में सुबह के वक्त लंबा जाम देखा गया। ठंड के कारण अस्पतालों में सर्दी-जुकाम, बुखार और सांस के मरीजों की तादाद बढ़ी है। डॉक्टर

बुजुर्गों और बच्चों को खास एहतियात बरतने की सलाह दे रहे हैं। कश्मीर घाटी में ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी से फिर शीतलहर लौट आई है। मौसम विभाग ने अगले पंद्रह दिन भारी बर्फबारी का अलर्ट जारी किया है। गुलमर्ग, सोनमर्ग और पहलगाम में तापमान माइनस में चल रहा है। बर्फ गिरने से कई सड़कें बंद हुई हैं, मगर सैलानियों के लिए यह मौसम दिलकश बना हुआ है। उत्तराखंड में पारा माइनस 9 डिग्री तक पहुंच गया है। पहाड़ी कस्बों में पाइपलाइनों का पानी जमने से लोगों को पीने के पानी की दिक्कत हो रही है। देहरादून और हरिद्वार जैसे मैदानी शहरों में भी ठंडी हवाओं ने कंपकंपी बढ़ा दी है। प्रशासन अलाव और रैन बसेरों का इंतजाम कर रहा है ताकि गरीब और मुसाफिर सर्द रातों से बच सकें। हिमाचल, बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ में भी ठंड का यही सख्त रूप देखने को मिल रहा है। कई जिलों में घना कोहरा और कोल्ड डे की हालत बनी हुई है। मौसम जानकारों का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के लगातार सक्रिय रहने से ठंड अभी कुछ दिन और जारी रहेगी। ऐसे हालात में गर्म कपड़े, सही खान-पान और सफर में सावधानी ही सबसे बड़ा सहारा हैं। यह ठंड भले कड़ी हो, मगर यह हमें प्रकृति के बदलते दौर का अहसास भी करा रही है और एहतियात का सबक भी दे रही है।

# कोलंबिया राष्ट्रपति ने ट्रम्प को चुनौती दी:

## कहा- "हिम्मत है तो मुझे पकड़कर दिखाओ"

बोगोटा (एजेंसी)। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को खुली चुनौती देते हुए कहा है कि अगर उन्हें हिम्मत है तो उन्हें गिरफ्तार करके दिखाएँ। यह बयान पेट्रो ने सोमवार को दिया, जो अमेरिका और लैटिन अमेरिका के देशों के बीच बढ़ते तनाव की नई कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। पेट्रो ने स्पष्ट किया कि वे फिलहाल कोलंबिया में ही मौजूद हैं और अमेरिका के किसी भी कदम का इंतजार कर रहे हैं। उनके इस बयान ने पूरे लैटिन अमेरिका में सियासी हलचल पैदा कर दी है। विश्लेषकों का कहना है कि पेट्रो का यह कदम अमेरिका के खिलाफ सीधे विरोध की निशानी है और यह दिखाता है कि लैटिन अमेरिकी देश अपनी संप्रभुता और आत्मनिर्भर नीति पर कायम हैं। इस घटना की पृष्ठभूमि में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी को लेकर अमेरिका का रवैया भी है। मादुरो ने अगस्त 2025 में ट्रम्प को चुनौती दी थी कि अगर हिम्मत है तो अमेरिका आकर उन्हें गिरफ्तार करे। अमेरिका ने इसके जवाब में मादुरो की गिरफ्तारी पर घोषित इनाम की राशि बढ़ा दी थी। पेट्रो का बयान सीधे मादुरो की स्थिति के बाद आया है और इससे यह संकेत मिलता है कि लैटिन अमेरिकी नेता अमेरिका की धमकियों को नजरअंदाज करते हुए अपने देशों में बने रहना चाहते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि पेट्रो का यह बयान अमेरिका और कोलंबिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों में एक नई चुनौती खड़ी कर सकता है। हालांकि, पेट्रो ने अपने बयान में हिंसा या सैन्य कार्रवाई की ओर कोई संकेत नहीं दिया है, बल्कि उन्होंने इसे एक राजनीतिक और कूटनीतिक चुनौती के रूप में पेश किया है। पेट्रो की सख्त भाषा और ट्रम्प को चुनौती देने का अंदाज यह दिखाता है कि लैटिन अमेरिका में अमेरिका के प्रभाव और दबाव को लेकर नेताओं के बीच सहमति की कमी है। यह घटनाक्रम न केवल कोलंबिया बल्कि पूरे क्षेत्र की राजनीतिक स्थिरता और अमेरिका के साथ संबंधों पर भी प्रभाव डाल सकता है।

# सुप्रीम कोर्ट ने अगस्ता वेस्टलैंड केस में याचिका खारिज की:

## -अमीरों को ट्रायल से बचने का कोई मौका नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर घोटाले में आरोपी वकील गौतम खेतान की याचिका को खारिज कर दिया। इस याचिका में खेतान ने मनी लॉन्ड्रिंग विरोधी कानून (PMLA) की एक धारा को चुनौती दी थी, लेकिन कोर्ट ने इसे ट्रायल से बचने की कोशिश करार दिया और याचिका को स्वीकार नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट की बेंच, जिसमें चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमल्य बागची शामिल थे, ने याचिका पर कड़ा रुख अपनाया। कोर्ट ने कहा कि यह नया चलन बन गया है कि अमीर और प्रभावशाली लोग सीधे ट्रायल का सामना करने के बजाय कानून की वैधता को चुनौती देने लगते हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि इस तरह का रवैया न्याय प्रणाली को प्रभावित करने का प्रयास है और इसे बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कोर्ट ने कहा, "कुछ लोग सोचते हैं कि पैसा और प्रभाव के बल पर वे सिस्टम को बायपास कर सकते हैं, लेकिन हम यह अनुमति नहीं देंगे। हर आरोपी को आम नागरिक की तरह ट्रायल का सामना करना होगा।" सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि कानून सभी के लिए समान है और अमीर-गरीब में कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी बताया कि ट्रायल से बचने के लिए इस तरह की याचिकाओं का इस्तेमाल करना न्याय के लिए खतरनाक संकेत है। अदालत ने कहा कि अगर आरोपी को किसी कानून में खामी या संशोधन का मुद्दा है, तो उसे अलग तरीके से चुनौती दी जा सकती है, लेकिन ट्रायल टालने के उद्देश्य से कानून की वैधता पर सीधे याचिका दायर करना न्याय की प्रक्रिया का उल्लंघन है। सीनियर वकील सिद्धार्थ लूथरा ने कोर्ट में दलील दी कि यह याचिका किसी

विशेषाधिकार के लिए नहीं, बल्कि पहले से लंबित विजय मदनलाल चौधरी केस की समीक्षा याचिकाओं से जुड़ी है। लूथरा का तर्क था कि याचिका का उद्देश्य केवल कानूनी प्रक्रियाओं को स्पष्ट करना है और इसमें ट्रायल से बचने की कोई मंशा नहीं है। हालांकि, कोर्ट ने इस दलील को भी मानने से इंकार कर दिया और कहा कि यह याचिका मुख्य ट्रायल से बचने के प्रयास के रूप में देखी जा रही है। गौरतलब है कि अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर घोटाला देश के सबसे बड़े और चर्चित भ्रष्टाचार मामलों में से एक है। इसमें उच्च राजनीतिक और व्यावसायिक हस्तियों के नाम जुड़े हुए हैं। गौतम खेतान का नाम इस घोटाले में प्रमुख रूप से सामने आया है। उनका यह प्रयास कि मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की धारा को चुनौती दी जाए, कोर्ट ने ट्रायल से बचने की कोशिश माना। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से यह संदेश गया है कि न्यायालय किसी भी तरह से अमीर या प्रभावशाली व्यक्तियों को कानून से ऊपर नहीं उठने देगा। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि कानून का पालन सभी को करना होगा और किसी भी आरोपी को अपने प्रभाव या संपत्ति के बल पर ट्रायल से बचने का अवसर नहीं मिलेगा। इस फैसले को कानूनी विशेषज्ञ और मीडिया ने महत्वपूर्ण माना है।

# ट्रम्प वेनेजुएला से 5 करोड़ बैरल तेल लेंगे, कमाई पर रहेगा उनका नियंत्रण

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने घोषणा की है कि वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति अमेरिका को 3 से 5 करोड़ बैरल प्रतिबंधित कच्चा तेल सौंपेंगी।

ट्रम्प ने बताया कि यह तेल अंतरराष्ट्रीय बाजार भाव पर बेचा जाएगा, लेकिन इससे मिलने वाली रकम पर उनका व्यक्तिगत और सरकारी नियंत्रण रहेगा। उन्होंने कहा कि इस योजना से दोनों देशों के लोगों को फायदा होगा। वर्तमान समय में 5 करोड़ बैरल कच्चे तेल की कीमत करीब 25 हजार करोड़ रुपए है। ट्रम्प ने स्पष्ट किया कि इस तेल से मिलने वाली राशि का इस्तेमाल वेनेजुएला और अमेरिका के आम लोगों के हित में किया जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि उन्होंने ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट को इस योजना को तुरंत लागू करने के निर्देश दे दिए हैं। तेल को स्टोरेज जहाजों के माध्यम से सीधे अमेरिका के बंदरगाहों तक पहुंचाया जाएगा। गौरतलब है कि 2 जनवरी को अमेरिका ने वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई की थी। इस कार्रवाई में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार कर अमेरिका लाया गया। इसके बाद ट्रम्प ने उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज को अंतरिम राष्ट्रपति बनाने के लिए समर्थन दिया। इसके पीछे ट्रम्प का उद्देश्य वेनेजुएला की तेल संपदा पर नियंत्रण बनाए रखना और अमेरिका की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करना बताया गया। विश्लेषकों का कहना है कि यह कदम दोनों देशों के बीच तेल और ऊर्जा बाजार में नई स्थिति बना सकता है।

# ट्रम्प बोले- मोदी मेरे अच्छे दोस्त, लेकिन 50% टैरिफ से वे मुझसे खुश नहीं

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि उनके और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच अच्छे व्यक्तिगत रिश्ते हैं, लेकिन वर्तमान में मोदी उनसे पूरी तरह खुश नहीं हैं। ट्रम्प ने यह बयान मंगलवार को वॉशिंगटन में हाउस रिपब्लिकन पार्टी के सदस्यों की बैठक के दौरान दिया। उनके अनुसार, भारत पर लगाए गए टैरिफ का असर मोदी को परेशान कर रहा है। ट्रम्प ने बताया कि अमेरिका ने भारत पर कुल 50% टैरिफ लगाया है, जिसमें से 25% अतिरिक्त टैरिफ रूस से तेल खरीदने की वजह से लगाया गया है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भारत लगातार अपाचे हेलिकॉप्टरों के लिए अमेरिका के पास आता रहा था। उन्होंने बताया कि भारत ने 68 अपाचे हेलिकॉप्टरों का ऑर्डर दिया था और अब अमेरिका इस मामले में बदलाव कर रहा है। ट्रम्प ने कहा, "मेरे पीएम मोदी के साथ

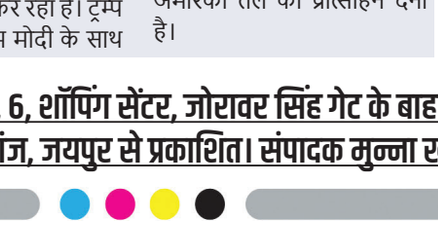

बहुत अच्छे रिश्ते हैं। अब उन्होंने रूस से तेल की खरीद को काफी हद तक कम कर दिया है। लेकिन टैरिफ की वजह से उन्हें मुझसे थोड़ी नाराजगी है।" ट्रम्प ने यह भी बताया कि मोदी उनसे मिलने आए थे और उनसे पूछने लगे, "सर, क्या मैं आपसे मिल सकता हूं।" हालांकि ट्रम्प ने यह स्पष्ट नहीं किया कि ये बातचीत कब और कहां हुई। उनके अनुसार, मोदी के साथ दोस्ताना संबंध होने के बावजूद व्यापारिक और आर्थिक मसले, जैसे टैरिफ और तेल की खरीद, दोनों देशों के बीच असंतोष का कारण बने हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका द्वारा टैरिफ का उद्देश्य भारत को रूस से तेल खरीदने पर रोक लगाना और अमेरिकी तेल का प्रोत्साहन देना है।

# 12 राज्यों की SIR ड्राफ्ट लिस्ट में 13% वोटर कम, यूपी में सबसे ज्यादा 2.89 करोड़ नाम कटे

नई दिल्ली। देश में वोटर लिस्ट को "दुरुस्त" करने के लिए शुरू हुआ स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (SIR) अब सियासी बहस का अहम मुद्दा बन गया है। 12 राज्यों में चली यह मुहिम 28 अक्टूबर 2025 से शुरू होकर दो महीने ग्यारह दिन तक जारी रही। मकसद साफ था—मृत, डुप्लीकेट और शिफ्ट हो चुके मतदाताओं के नाम हटाकर लिस्ट को हकीकत के करीब लाना। मगर मंगलवार को जारी ड्राफ्ट लिस्ट ने चौंकाने वाले आंकड़े सामने रख दिए। SIR से पहले इन 12 राज्यों में 50.97 करोड़ मतदाता दर्ज थे, वैरिफिकेशन के बाद यह संख्या घटकर 44.38 करोड़ रह गई। यानी करीब 6.59 करोड़ लोगों के नाम लिस्ट से हटा दिए गए, जो कुल मतदाताओं का लगभग 12.93% है। आसान अल्फाज़ में कहें तो हर 100 वोटर्स पर करीब 13 नाम कट गए। सबसे ज्यादा असर उत्तर प्रदेश में दिखाई दिया। यूपी में चुनाव आयोग ने 2.89 करोड़ नाम ड्राफ्ट लिस्ट से बाहर कर दिए हैं। यहां हर 100 में से लगभग 19 वोटर्स के नाम कटे, जो पूरे देश में सबसे बड़ा रेश्यो है। पश्चिम बंगाल में हर 100 में से 8, गुजरात में 15 और छत्तीसगढ़ में 13 नाम हटे हैं। लक्षद्वीप इकलौता इलाका रहा, जहां यह आंकड़ा सिर्फ 3 प्रतिशत के करीब है। मध्य प्रदेश और

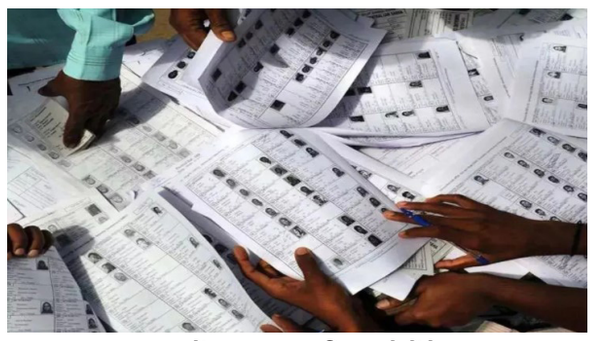

राजस्थान में लगभग 7.5 प्रतिशत लोगों के नाम काटे गए हैं। इसका मतलब यह हुआ कि इन दोनों राज्यों में हर 13वां नाम वोटर लिस्ट से बाहर हो गया। इत्तेफाक से यही वे राज्य हैं, जहां अगले कुछ सालों में अहम विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए पार्टियों की बेचैनी समझी जा सकती है। चुनाव आयोग अपनी दलीलें दे रहा है। उसका कहना है कि डिजिटल टूल्स, घर-घर सर्वे और आधार लिंकिंग से बड़ी तादाद में डुप्लीकेट एंट्री पकड़ में आईं। कई लोग एक से ज्यादा जगह रजिस्टर्ड थे, कुछ का इंतिकाल हो चुका था और बहुत से वोटर दूसरे शहरों में शिफ्ट हो गए थे। आयोग के मुताबिक यह क़दम लोकतंत्र की सेहत के लिए जरूरी था, ताकि फर्जी वोटिंग की गुंजाइश खत्म हो। लेकिन मुखालिफ दलों का इल्ज़ाम है कि इतनी बड़ी कटौती कहीं न कहीं सोशल बैलेंस को बिगाड़ सकती है। खास तौर से गरीब बस्तियों, मजदूर तबके और अल्पसंख्यक इलाकों में नाम कटने की शिकायतें ज्यादा मिली हैं। सवाल उठ रहा है कि क्या सिस्टम तक सबकी बराबर रसाई हो पाई? यह भी याद रखना चाहिए कि ड्राफ्ट लिस्ट आखिरी फैसला नहीं है। जिन लोगों के नाम हटे हैं, उन्हें दावे–आपत्तियां दाखिल करने का पूरा हक दिया गया है। फॉर्म–6 भरकर नया नाम जुड़वाया जा सकता है और गलत कटे नाम के लिए फॉर्म–7 के जरिए अपील की जा सकती है। आयोग ने हेल्पलाइन और ऑनलाइन पोर्टल भी शुरू किए हैं। मगर जमीनी हकीकत यह है कि बहुत से लोग इन प्रोसीजर से वाकिफ ही नहीं हैं। इसलिए जरूरत इस बात की है कि अवाम में जागरूकता बढ़ाई जाए, वरना सही वोटर भी महरूम रह जाएगा। सियासतदानों के लिए यह वक्त इम्तिहान का है। उन्हें सिर्फ बयानबाजी नहीं, बल्कि लोगों की मदद के लिए कैंप लगाने होंगे। बूथ लेवल एजेंट्स को एक्टिव करना होगा। अगर वाकई 6.59 करोड़ नाम सही वजह से कटे हैं तो यह बड़ा सुधार है, लेकिन अगर एक हिस्सा भी गलत तरीके से बाहर हुआ तो यह लोकतंत्र के लिए नुकसानदेह साबित होगा। हमारे मुल्क की ताकत उसकी समावेशी शिरकत में है—हर तबके की हिस्सेदारी, हर आवाज का एहतिराम।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886